राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 04 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–161 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आज आंध्रप्रदेश के सीएम बनने के बाद पहली बार पीएम मोदी से मिलेंगे चंद्रबाबू

-राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी आलाकमान से करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। टीडीपी सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू गुरुवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। नायडू केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान नायडू राज्य से जुड़े मुद्दों पर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी आलाकमान से बातचीत करेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद चंदबाबू नायडू पहली बार दिल्ली आ रहे हैं। नायडू के साथ राज्य के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव, जल संसाधन मंत्री निम्माला राम नायडू और कुछ अन्य मंत्री भी आ रहे रहेंगे। वह केंद्र सरकार के साथ राज्य में लंबित परियोजनाओं और अन्य मुद्दों पर पीएम मोदी के साथ बाचतीत करेंगे। नायडू उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश को औद्योगिक प्रोत्साहन देने और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र सहित कृषि, सिंचाई सहित तमाम क्षेत्रों के लिए केंद्र से सहयोग की मांग करेंगे। इस बीच नायडू और तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी दोनों राज्यों के बीच लंबित मुद्दों पर बाचतीत के लिए छह जुलाई को हैदराबाद में मुलाकात करेंगे। नायडू ने रेड्डी को एक पत्र लिखकर लंबित मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाने की जरुरत पर जोर दिया था।

नारियल के छिलके से बनेगा सुपर कैपेसिटर बैटरी बनाने वाला कार्बन

तिरुवनंतपुरम । केरल के तिरुअनंतपुरम सरकारी कॉलेज के शोधकर्ताओं ने, नारियल के छिलके से हाई सर्फेस एक्टीवेटेड कार्बन बनाने की खोज की है। छात्रों ने एक नई विधि विकसित की है। नारियल के छिलकों से सुपर कैपेसिटर बनाने में काम आने कार्बन आसानी से मिल सकेगा। सुपर कैपेसिटर कार्बन एक तरह की रिचार्ज होने वाली बैटरी होती है। जिसे जल्दी चार्ज और डिस्चार्ज किया जा सकता है। इस बैटरी को बनाने के लिए कार्बन कम खर्च और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाना बड़ा आसान होगा।नारियल के छिलके से अब एक्टीवेटेड कार्बन बनाना आसान हो गया है। उल्लेखनीय है, केरल में नारियल का बहुत बड़े पैमाने में उत्पादन होता है। नारियल के छिलके भी अब यहां पर बाय प्रोडक्ट के रूप में उपयोग में आएंगे। इससे नारियल उत्पादकों की मुनाफे में वृद्धि होगी।

युद्ध में फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए रुस पर बनाया दबावः जयशंकर

नई दिल्ली । भारत ने यूक्रेन युद्ध में फंसे रूसी सेना में सेवारत भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए रूस पर दबाव डाला, क्योंकि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर दोनों विदेश मंत्रियों के बीच बैठक से 8-9 जुलाई के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा के लिए जमीन तैयार करने में भी मदद मिली। विदेश मंत्री जयशंकर ने पोस्ट में संकेत दिया कि उन्होंने रूसी सेना में सेवारत भारतीयों का मुद्दा उठाया था। उन भारतीय नागरिकों पर हमारी कड़ी चिंता व्यक्त की गई है जो इस समय युद्ध क्षेत्र में हैं। पिछले महीने भारत ने कहा था कि उस उम्मीद है कि यूक्रेन के साथ संघर्ष के दौरान चार भारतीयों की मौत के बाद रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती पर सत्यापित रोक की नई दिल्ली की मांग पर रूस कार्रवाई करेगा।

कंगना को थप्पड़ मारने वाली महिला जवान अभी नहीं हुई बहाल

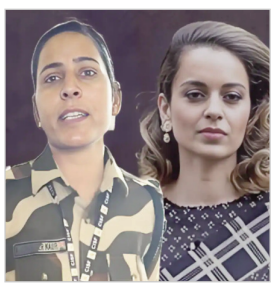

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ की महिला जवान कुलविंदर को अभी बहाल नहीं किया गया है। हालांकि, महिला जवान का तबादला चंडीगढ़ एयरपोर्ट से बैंगलुरू किया गया है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। फिलहाल कुलविंदर निलबिंत हैं, और उनके खिलाफ जांच जारी है। सूत्रों ने बताया कि महिला जवान कुलविंदर का तबादला बेंगलुरू किया था। सूत्रों ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई थी, जिसने अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। हालांकि, कोई भी अधिकारी मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। सूत्रों से पता चला है कि मामले के बाद कुलविंदर को सस्पेंड कर दिया गया था। लेकिन अब तक उन्हें बहाल नहीं किया गया है। यह घटना तब पेश आई थी। जब मंडी से सांसद कंगना रनौत दिल्ली जा रही थी। तभी चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर महिला सुरक्षा कर्मी कुलविंदर ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था। कंगना के किसान आंदोलन को लेकर दिए गए बयान से कुलविंदर कौर नाराज थी। इसकारण कंगना से बदसलूकी की गई थी।

भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमता में होगी बेतहाशा वृद्धिः वायु सेना प्रमुख वीआर चौधरी

हैदराबाद। (एजेंसी)

वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि हथियार प्रणाली से कूल के निर्माण के साथ, जमीन आधारित और विशेषज्ञ हथियार प्रणालियों के संचालक एक मंच पर आ जाएंगे, जिससे भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे इस एक नवगठित शाखा में अग्रणी है। इस कारण वे ऐसे स्तंभ हैं जिन पर परिकल्पित प्रशिक्षण व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी है। इससे वायु सेना सुदृढ़ होगी। स्कूल के संस्थापक सदस्यों की प्रशंसा करते हुए, वायु सेना प्रमुख ने सभी कर्मियों से देश में हथियार प्रणालियों के प्रशिक्षण के लिए स्कूल को एक नोडल केंद्र के रूप में स्थापित करने का आग्रह किया।

वायु सेना प्रमुख (सीएएस) एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने हैदराबाद के एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट में हथियार प्रणाली स्कूल (डब्ल्यूएसएस) का उद्घाटन किया। इसके साथ ही भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के इतिहास में एक नया अध्याय का शुभारंभ हुआ है। वायु सेना प्रमुख (सीएएस) ने 08 अक्टूबर, 2022 वायु सेना दिवस परेड समारोह के दौरान हथियार प्रणाली स्कूल के गठन की घोषणा की थी। वर्ष 2022 में भारतीय वायुसेना में अधिकारियों की एक नई इकाई हथियार प्रणाली स्कूल (डब्ल्यूएसएस) को स्वीकृति देने के बाद इसकी शुरूआत हुई। भारतीय वायु सेना को भविष्योन्मुख बल के रूप में पुनः व्यवस्थित करने और समयानुसार परिवर्तित करने के उद्देश्य से, इस नए प्रशिक्षण प्रतिष्ठान का गठन किया गया है। सामान्य रूप से सशस्त्र बलों और विशेष रूप से भारतीय वायु सेना के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

वायु सेना प्रमुख का स्वागत हथियार प्रणाली स्कूल के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल प्रेमकुमार कृष्णस्वामी ने किया। उद्घाटन समारोह में एयर मार्शल नागेश कपूर, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, प्रशिक्षण कमान और भारतीय वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें एयर फोर्स अकादमी के कमांडेंट, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर के कमांडेंट, एयर फोर्स स्टेशन (हकीमपेट) के एयर ऑफिस कमांडिंग, और एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट के स्टेशन कमांडर शामिल थे। हथियार प्रणाली शाखा (डब्ल्यूएसएस) प्रकृति के अनुकूल प्रभाव आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेगा और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की आवश्यकताओं के अनुरूप नवगठित शाखा के अधिकारियों को तैयार करेगा। हथियार प्रणाली शाखा के फ्लाइट कैडेट इस संस्थान में अपने दूसरे सेमेस्टर का प्रशिक्षण लेंगे।

अजित डोभाल की टीम की बढ़ी ताकत, मिला नया अतिरिक्त एनएसए

नई दिल्ली। (एजेंसी)

एनएसए अजित डोभाल के पास अब एक अतिरिक्त एनएसए और तीन डिप्टी एनएसए होंगे जो उनके अधीन काम करेंगे। पूर्व सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) प्रमुख पंकज कुमार सिंह डिप्टी एनएसए के रूप में जारी रहेंगे कपूर एनएसए कार्यालय में विक्रम मिसरी का स्थान लेंगे। भारत सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की टीम की ताकत बढ़ी है। उन्हें एक नया एडिशनल एनएसए मिला है। पूर्व रॉ चीफ राजिंदर खन्ना को अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया। इससे पहले वे डिप्टी एनएसए की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इनके अलावा दो नए उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भी नियुक्ति की गई। आईपीएस अधिकारी और खुफिया ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर टीवी रविचंद्रन के साथ-साथ विदेश मंत्रालय में सचिव पवन कपूर को इस पद की जिम्मेदारी दी गई है। तीनों ही अधिकारी एनएसए अजित डोभाल के साथ मिलकर काम करेंगे।

आपको बता दें कि राजिंदर खन्ना 2014 से 2016 तक रॉ प्रमुख के पद पर तैनात थे। उनकी अतिरिक्त एनएसए के रूप में नियुक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र में निरंतरता बनाए रखने पर नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के साथ जोड़ कर देखा जा रहा है। इसी निरंतरता सिद्धांत के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया गया, जो कि पीएम मोदी के कार्यकाल के साथ ही समाप्त हो जाएगा। नए एडिशनल एनएसए राजिंदर खन्ना ओडिशा कैडर के 1978 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने दिसंबर 2014 से दिसंबर 2016 तक रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) प्रमुख के रूप में कार्य किया। इससे पहले वह एजेंसी में ऑपरेशन डेस्क के प्रभारी थे और उन्हें पाकिस्तान और आतंकवाद विरोध में उनकी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है।

राजिंदर खन्ना को जनवरी 2018 में डिप्टी एनएसए के रूप में नियुक्त किया गया था। खन्ना इससे पहले प्रौद्योगिकी और खुफिया (टी एंड आई) अनुभाग का भी नेतृत्व कर चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में भी कार्य किया है, जो पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल सहित पड़ोसी देशों के नीति दस्तावेज तैयार करता है।

बस के फेल हुए ब्रेक,सैनिकों ने बचाई 40 तीर्थ यात्रियों की जान

देहरादून। (एजेंसी)

सुरक्षा बलों की सूझबूझ ने अमरनाथ यात्रा से लौट रही बस के साथ बड़े हादसे को टाल दिया। इस बस में करीब 40 लोग सवार थे। यह बस अमरनाथ से होशियारपुर के रास्ते पर थी। इसी दौरान नेशनल हाईवे 44 पर बस ने रामबन के पास कंट्रोल खो दिया। इसकी वजह थी कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे और ड्राइवर इसे रोक नहीं पा रहा था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में दिखता है कि लोग चिल्ला रहे हैं कि बस के ब्रेक फेल हो गए हैं। इसके साथ ही हाईवे पर पेट्रोलिंग में तैनात सैनिक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान सक्रिय हो जाते हैं। आगे की टीम को अलर्ट किया जाता है और पीछे से भी कुछ सैनिक मदद के लिए भागते हैं। बस के रास्ते में पत्थर लगा दिए जाते हैं ताकि वह रुक जाए और सड़क से नीचे फिसलकर खाई में न गिर जाए। सौभाग्य रहा कि सैनिकों की मेहनत रंग लाई और बस को हादसे से बचा लिया गया।

इंद्रदेव के सामने मौसम विभाग फेल, बार-बार बदल रहा चेतावनी

दिल्ली-एनसीआर को नहीं मिल रही गर्मी व उमस से राहत

नई दिल्ली।

हर बार की तरह एक बार फिर मौसम विभाग सटीक भविष्यवाणी बताने में फेल हो रहा है। इंद्रदेव के सामने आईएमडी की एक नहीं चल रही है। मौसम विभाग ऐसी फिरकी ले रहा है कि आम आदमी क्या, आईएमडी भी कन्फ्यूज है। मौसम विभाग बार-बार चेतावनी जारी करता है आज भारी बारिश होती या बारिश का अलर्ट जारी करता है लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। न तो बारिश हो रही और न गर्मी कम हो रही। दिल्ली-एनसीआर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी है, लेकिन बारिश का अता-पता नहीं। यह सवाल आईएमडी से पूछा जाना चाहिए कि आखिर उसके अनुमान फेल क्यों हो रहे हैं। बारिश की चेतावनी के बाद भी बादल क्यों नहीं बरस रहे। आखिर आईएमडी सटीक अनुमान बताने में क्यों फेल हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून की एंट्री तो हो गई है लेकिन नहीं मिल रही गर्मी व उमस से राहत। अभी तक दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन बारिश हुई है। मौसम विभाग बार-बार अलर्ट जारी कर रहा है कि बारिश होने वाली है लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। बादल तो छा रहे हैं, लेकिन बरस नहीं रहे हैं। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। केवल दिल्ली ही नहीं, आज दिल्ली के अलावा, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ और यूपी में भी बारिश की संभावना जताई गई है। आईएमडी के पूर्वानुमान फेल हो रहे हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दिल्ली को लेकर बार-बार आईएमडी को अपना अलर्ट बदलना पड़ रहा है। पहले मौसम विभाग ने दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया था बाद में उसे ऑरेंज में बदल दिया। यानी पहले हल्की बारिश और बाद में फिर मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया। मौसम विभाग ने सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार तक के लिए दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और पूरे एनसीआर के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया था लेकिन अब तक दिल्ली-एनसीआर वाले बारिश का इंतजार ही कर रहे हैं।

हाथरस घटना ने प्रशासन और पुलिस तंत्र की प्लानिंग को उजागर कर दिया

यूपी के पूर्व डीजीपी बोले- बड़े पैमाने पर हुई मौतों के लिए जिम्मेदारी तय हो

हाथरस। भोले बाबा उर्फ सूरजपाल के सत्संग में मची भगदड़ में हुई मौतों के बाद अब इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। योगी सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान डीजीपी रहे ओपी सिंह ने कहा कि हाथरस की है। इतने बड़े पैमाने पर मौतों के लिए जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। पूर्व डीजीपी सिंह ने कहा कि प्रशासन ने प्लानिंग पर काम नहीं किया। इसका परिणाम है कि यह घटना घटी हैं। हाथरस की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और कई सवालों को जन्म देती है। सबसे पहले प्रशासनिक नजरिए हमको यह पता लगाना होगा कि ऐसी क्या चूक हुई है, जिसे इन घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने दें। क्रीमिनल एलिमेंट की बात करते हैं तो इसमें कई सारे स्टेक होल्डर चाहे वह व्यवास्थपक हों, पुलिस और एडमिनिस्ट्रेशन की भी जांच करने की जरूरत है। इस घटना की गहराई तक जाने के लिए प्रशासनिक चूक की पहचान करनी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि यूपी बहुत बड़ा प्रदेश है। यहां हर साल 70 हजार से ज्यादा धार्मिक आयोजन होते हैं। हर छठे साल प्रयागराज में कुंभ होता है। इस मेले में लाखों लोग आते हैं। हाल के वर्षों में इस तरह की एक भी घटना नहीं हुई है। ऐसे में हाथरस में कैसे घटना हो गई? पुलिस और सरकार के लिए क्राउड मैनेजमेंट एक बड़ा विषय भी है। आयोजक जब इन आयोजनों के लिए मंजूरी लेते हैं तो जाहिर है कि हमें रिस्क एनालेसिस और क्राउड मैनेजमेंट की जरूरत है। हमारा इवेंट मैनेजमेंट आयोजकों के तरह से क्या रहेगा? प्रशासन की तरह से क्या-क्या बंदोबस्त किए जाएंगे? भीड़ में आने वाले लोगों के लिए क्या फैसिलिटी देंगे? क्राउड डेनसिटी यानी भीड़ का घनत्व पर भी हमारी प्लानिंग होनी चाहिए, जो हाथरस हादसा वाली जगह पर नहीं दिखी. सिंह आगे कहते हैं, भीड़ का साइंटिफिक मैनेजमेंट जरूरी है। पैनिक का क्या महत्व है, भीड़ का मुवमेंट क्या होना चाहिए। 121 लोगों की मौत हुई है इसका क्या कारण रहा होगा।

राहुल के हिंदू वाले बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

-बिना शर्त माफी मांगें नेता प्रतिपक्ष, तेजस्वी सूर्या समेत कई नेता हिरासत में

नई दिल्ली। (एजेंसी)

संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिंदुओं को लेकर टिप्पणी की उसे लेकर हंगामा मचा हुआ है। संसद में ही नहीं सड़क पर भी बीजेपी नेता अब कांग्रेस को घेर रही है। दिल्ली में बीजेपी ने राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, और कर्नाटक से सांसद तेजस्वी सूर्या को हिरासत में ले लिया। इस विरोध प्रदर्शन में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज समेत कई नेता कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी कांग्रेस मुख्यालय के सामने जुटे थे। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदू समाज को हिंसक कह कर अपमानित किया है। अब मैं आग्रह करता हूं कि राहुल बिना शर्त हिंदू समाज से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि हम बड़ा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के कार्यालय का घेराव करेंगे और जब तक माफी नहीं मांगेंगे तब तक युवा मोर्चा ऐसे विरोध प्रदर्शन करता रहेगा। वहीं, नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज ने लोकसभा में राहुल गांधी के दिए बयान को झूठा करार बताया और उन्हें चुनावी हिंदू बताया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने झूठ का सहारा लेकर हिंदू संस्कृति और सनातन संस्कृति पर अभद्र टिप्पणी की है। हिंदू हिंसक नहीं है। समाज वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा पर चलता है। यानी पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। माननीय राहुल गांधी एक चुनावी हिंदू हैं। जब उनको वोट बैंक की राजनीति करनी होती है तो जनेऊ धारण कर रुद्राभिषेक का नाटक करते हैं। बांसुरी ने इंडिया गठबंधन की विवादित टिप्पणियों पर भी कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब सदन में खड़े होते हैं तो उनकी असली हिंदू विरोधी और सनातन विरोधी मानसिकता परिलक्षित होती है लेकिन ये पहली बार नहीं है। इंडी गठबंधन बार बार सनातन धर्म का अपमान करता रहा है। डीएमके, जो इंडी गठबंधन का पार्टनर है, ने कह दिया था कि सनातन धर्म एक बीमारी है। उन्होंने सनातन संस्कृति को उखाड़ फेंकने की बात भी की थी। तब भी कांग्रेस और राहुल गांधी ने चुप्प रहे थे। अब ये सदन में बढ़चढ़कर झूठ बोल रहे हैं। इसलिए अब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राहुल गांधी के वक्तव्य को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता। जो रोज हमें समझाते हैं, हिंदू हिंसक होते हैं, ये संसद में चिल्लाते हैं...तो कुछ ऐसे ही हैं राहुल गांधी। उनका बयान निंदनीय और शर्मनाक है। पूरा हिंदू समाज राहुल गांधी का बहिष्कार करेगा। राहुल गांधी को माफी मांगनी होगी। एक सवाल पर कि कांग्रेस पूरे समाज को नहीं, सिर्फ बीजेपी को ऐसा कह रही है। इस पर सचदेवा ने कहा, कांग्रेस का गैंग जस्टिफाई करने की कोशिश कर रहा है। वह एक समाज विशेष को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। सवाल है कि राहुल गांधी को अपनी बहन को वायनाड से चुनाव लड़ाना है तो क्या इस तरह के बयान देंगे? हमारी मांग है कि राहुल गांधी माफी मांगें।

संपादकीय

मेहरबान मानसून

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की यह घोषणा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून समय से छह दिन पहले ही पूरे देश में सक्रिय हो गया है, एक सुखद सूचना है। खासकर हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के बाकी हिस्सों में भी इसकी सक्रियता किसानों के साथ-साथ देश के नीति-नियंताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। केरल में यह अपेक्षित समय से दो दिन पहले ही 30 मई को झमाझम बरसने लगा था, मगर महाराष्ट्र के आगे इसकी रफ्तार के मद्धम पड़ जाने से उत्तर भारत के तमाम राज्यों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बना डाले और लू के थपेड़ों ने लोगों को काफी परेशान किया। कई लोग इसकी वजह से अकाल ही मौत के शिकार बन गए। ऐसे में, मानसूनी बारिश ने लोगों को कुदरती दाहकता से निजात दिलाई है। अच्छा मानसून अर्थव्यवस्था के लिए किसी नेमत से कम नहीं होता, क्योंकि खास तौर पर ग्रामीण आर्थिकी पर इसका सकारात्मक असर देखा जाता है और नई फसल के कटने के साथ आने वाले त्योहारी मौसम में वहां से मांग में वृद्धि दर्ज की जाती है। मगर आईएमडी की इस सुकूनदेह घोषणा में एक ऐसा पहलू भी है, जो केंद्र व राज्य सरकारों को चिंता में डालने वाला है, बल्कि पूर्वोत्तर में हम उसका असर देख भी रहे हैं। मौसम विभाग ने कहा है कि इस महीने पूर्वी और मध्य भारत में भारी बारिश बाढ़ की स्थिति पैदा कर सकती है। असम में अब तक छह लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं और 30 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। राज्य के 35 में से 19 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। यह संतोष की बात है कि राज्य का आपदा प्रबंधन महकमा युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है और प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने व फंसे हुए लोगों तक भोजन-पानी पहुंचाने का काम कर रहा है। परेशानी की बात यह है कि मौसम विभाग ने अरुणाचल और असम के कुछ इलाकों में आगे भी भारी बारिश की आशंका जताई है। ऐसे में, वहां हालात के और गंभीर होने का अंदेशा है। असम, पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे राज्यों का एक बड़ा इलाका लगभग हरेक साल ही बाढ़ की त्रासदी झेलता है। मगर दुर्योग से हमारी सरकारें इस मद में बजटीय आवंटन को लेकर जितनी उत्सुक दिखती हैं, इस समस्या से स्थायी छुटकारे को लेकर उनके प्रयास उतने दिखाई नहीं पड़ते। डूब क्षेत्र में बढ़ती बसाहट को हतोत्साहित करने का उनका कोई कार्यक्रम सफल होता नहीं दिखता। नतीजतन, लगभग हर साल अनगिनत परिवारों का सब कुछ सैलाब में बह जाता है और एक बड़ी संख्या कई पखवाड़ों तक ऊंचे बांधों पर खानाबदोश-सी जिंदगी जीने को बाध्य होती है। बहरहाल, ऐसे वक्त पर सिर्फ सरकार की जिम्मेदारियां गिनाने से बेहतर है कि देश में जो भी सक्षम लोग हैं, वे ऐसे मौकों पर आगे आएं और अपने हमवतनों की मदद करें। अच्छे मानसून का स्वागत करते हुए हम इन देशवासियों की तकलीफों को नहीं भुला सकते। नियमित रूप से बाढ़ से प्रभावित होने वाली राज्य सरकारों को मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए अपने-अपने आपदा प्रबंधन विभाग को सतर्क करने की जरूरत है। उनको किसी भी तरह से संसाधनों की कमी नहीं होनी चाहिए। यह कुदरत का निजाम है कि मानसून किसी के लिए मेहरबान बनकर आता है और किसी के लिए आफत। यह इंसानों की जिम्मेदारी है कि वे इंसानियत का हक अदा करें।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मानवीय संकट बढ़ाती परमाणु अस्त्र होड़

सी. उदय भास्कर

इस माह की चर्चाओं के केंद्र में मुख्य विषय प्रलयंकारी परमाणु हथियार और संकट में पड़े वैश्विक सुरक्षा तंत्र रहे। गत 17 जून को दो अहम रिपोर्टें एक ही दिन जारी हुईं- एक है, आईसीएएन (इंटरनेशनल कैम्पेन टू एबोलिश न्यूक्लियर वैपन्स) की और दूसरी है सिपरी (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की। इनके निष्कर्ष कष्टकारी और निराश करने वाले हैं। आईसीएएन रिपोर्ट बताती है कि एन-9 अर्थात ् परमाणु शक्ति संपन्न नौ राष्ट्रों (अमेरिका, यूके, रूस, चीन, फ्रांस, भारत, इस्राइल, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया) ने अपने-अपने आणविक शस्त्रागारों के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम पर 91 बिलियन डॉलर की राशि खर्च की है। इस बारे में सबका तर्क एक समान है यानी 'दूसरों से परमाणु खतरे' का वास्ता देते हुए, अपने अंदर गहरे पैठी सामरिक 'असुरक्षा की भावना' का तुष्टीकरण है। अनुमान को सिद्ध करते हुए, सबसे अधिक धन खर्च वालों में चोटी के तीन मुल्कों में पहले पायदान पर अमेरिका है (51.5 बिलियन डॉलर)- जो कि विश्वभर में परमाणु हथियार संबंधित कुल व्यय का आधे से अधिक है, दूसरे नंबर पर चीन (11.8 बिलियन) और तृतीय पर रूस (8.3 बिलियन) है। आईसीएएन की निदेशक मेलिसा पार्के का कहना है कि परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों का इस मद में सकल खर्च प्रति सेकंड 2,898 डॉलर बैठता है और यह सम्मिलित व्यय संपूर्ण दुनिया से भुखमरी खत्म करने को जितना पैसा चाहिए, उससे अधिक है। उन्होंने आगे कहा- 'एक मिनट में जितना खर्च परमाणु हथियारों पर होता है, उतने में 10 लाख पौधे रोपे जा सकते हैं।' यहां पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या का संदर्भ वैश्विक ताप सूचकांक में निरंतर बढ़ोतरी और पर्यावरणीय बदलावों से पैदा हुए अतिशय मौसम के संदर्भ में प्रासंगिक है, किंतु इस मुद्दे पर संसार की प्रतिक्रिया लचर और निष्प्रभावी किस्म की है। भारत इन दिनों झुलसा देने वाली गर्मी झेल रहा है, तिस पर इसका पेड़ और मनुष्य का अनुपात भयावह रूप से बहुत कम है, और भारत विश्व के सबसे अधिक प्रभावित बड़े देशों में एक है (कुल भूभाग और जनसंख्या के लिहाज से)। यह भू-भौतिक प्रवृत्ति जल्द ही विश्व के सभी मनुष्यों की सुरक्षा के लिए गंभीरतम खतरा बनने जा रही है। हज करने गए लोगों की झुलसाती गर्मी से संबंधित हालिया मौतें इसका साक्षात उदाहरण हैं। सिपरी की वार्षिक पत्रिका-2024 वह बृहद प्रकाशन है जो अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, शस्त्र एवं तकनीक, सैन्य व्यय, शस्त्र उत्पादन, शस्त्र-व्यापार, हथियारबंद संघर्ष और युद्ध प्रबंधन के अलावा रिवायती, परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों पर नियंत्रण को लेकर प्रयासों का अवलोकन प्रस्तुत करता है। लगभग सौ पन्नों का परमाणु अध्याय पिछले साल परमाणु क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास और चलन का बहुमूल्य सार प्रस्तुत करता है। लेखक हैन्स क्रिसटेंसेन और मैट कोर्डा के परिश्रम की तारीफ करनी करनी बनती है कि उन्होंने इस गोपनीय क्षेत्र की अंदरूनी जानकारी बहुत मेहनत से खोद निकाली है, जबकि इस विषय-वस्तु पर अमूमन तथ्यों की जगह भ्रामक जानकारी एवं सूचनाएं और राजनीतिक लफ्फाजी का बोलबाला रहता है। सिपरी आणविक सर्वे का मुख्य निष्कर्ष यह है कि परमाणु हथियारों की किस्मों और संख्या में वृद्धि हुई है। सभी परमाणु शक्ति संपन्न मुल्कों ने अपनी 'प्रतिरोधक आणविक' क्षमता पर निर्भरता बढ़ाई है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह करने से मूल राष्ट्रीय हित सुरक्षित होते हैं। इसका नवीनतम उदाहरण रूस-यूक्रेन युद्ध है, जब रूस ने अमेरिका नीत नाटो को परमाणु अस्त्र प्रयोग की धमकी देते हुए अपनी ओर से 'रेड लाइन' खींच दी, बदले में, नाटो और अमेरिका ने भी कहा कि वे भी अपनी तमाम जवाबी परमाणु तैयारियों में बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। सिपरी आणविक अवलोकन संकेत देता है कि 2024 के शुरुआती दिनों में, नौ परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों के पास कुल मिलाकर लगभग 12,121 परमाणु हथियार हैं, जिनमें 9,585 के बारे में माना जाता है कि इस्तेमाल के लिए तत्काल तैयार हैं। कयास है कि 3,904 आणविक आयुध कार्यकारी बलों के साथ तैनात हैं और इनमें भी लगभग 2100 को उच्च संचालन सतर्कता श्रेणी में रखा गया है- यह संख्या पिछले साल के मुकाबले 100 अधिक है। जहां एक ओर अमेरिका और रूस के परमाणु हथियारों का सम्मिलित हिस्सा अभी भी विश्व के सकल आणविक शस्त्रागारों का 88 प्रतिशत है वहीं चीन को लेकर सिपरी का आंकड़ा चौंकाने वाला है, जनवरी, 2023 में उसके पास 410 परमाणु अस्त्र थे जो जनवरी, 2024 में बढ़कर 500 हो गए और इनकी संख्या आगे और बढ़ने की उम्मीद है। यह भी कहा कि चीन अगले एक दशक तक अपने परमाणु शस्त्रागार का काफी आधुनिकीकरण और विस्तार करने की प्रक्रिया में लगा रहेगा और कुछ अनुमानों के मुताबिक इस अवधि में चीन भी रूस एवं अमेरिका जितनी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइलें तैनात करने का मंसूबा रखता है। चूंकि चीन की अमेरिका से होड़ है, उसके आणविक हथियारों की तैनाती (जो वर्तमान में 24 है) में स्पष्ट दिखाई देने वाली बढ़ोतरी का बहुत ज्यादा असर दक्षिण एशिया की रणनीतिक संतुलन स्थिरता पर पड़ेगा, जो कि भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। शीत युद्ध के दौरान, अमेरिका एवं उसके सहयोगियों और तत्कालीन सोवियत संघ के बीच परमाणु मिसाइलों की गिनती बढ़ाने की दौड़ 1945 से 1991 तक जमकर चली। साल 1962 के 'क्यूबा मिसाइल संकट' प्रसंग से पैदा हुए डर के बाद, इन दोनों पक्षों ने अपनी रक्षार्थ एक भरोसेमंद, मजबूत आणविक प्रतिरोध प्रणाली कायम करने की ओर कदम बढ़ाए, जिसकी वजह से आगे चलकर शस्त्र नियंत्रण संधि और 'मैड' नामक (म्युचुअली एशोर्ड डिस्ट्रक्शन) सिद्धांत उपजा और यह 'मैड' शब्द विनाशकारी व्यंग्यवाद का द्योतक भी है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से, विश्व दो प्रतिस्पर्धी परमाणु हथियार युक्त खेमों में बंटता चला गया, एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व वाला सैन्य गठबंधन है (जिसमें यूके और फ्रांस हैं) तो दूसरी तरफ रूस-चीन की जोड़ी है, जिसके साथ कनिष्ठ सहयोगी के तौर पर उत्तर कोरिया है। परमाणु शक्ति संपन्न अन्य तीन राष्ट्र- भारत, पाकिस्तान और इस्राइल - ऊपरी तौर पर भले ही गुट-निरपेक्ष दिखाई देते हों किंतु उनका भू-राजनीतिक उन्मुखता से झुकाव स्वयं सिद्ध है। लेख के शुरू में जिस निराशा का जिक्र है उसके पीछे वजह यह है कि 2022 से संसार यथेष्ट 'आणविक प्रतिरोध' क्षमता बनाए रखने वाली नीति से हटकर अब जिस तरह बेलगाम और बेपरवाह होड़ में लगा है। मुख्य शक्तियों के बीच विगत में सामरिक मुद्दों को लेकर जो संचार व्यवस्था और सुव्यवस्थित शस्त्र नियंत्रण एवं संयम बनाए रखने वाली परस्पर समझ थी, वह भी लगातार घटती जा रही है।

वर्तमान में अमेरिका में तीव्र घरेलू सामाजिक-राजनीतिक मंथन चला हुआ है जिसमें डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने की संभावना अधिक है। जहां रूस, चाहे कुछ भी हो जाए, यूक्रेन पर अपनी पकड़ बनाए रखने को कटिबद्ध है, वहीं चीन द्वारा अपने इलाकाई दावों को लेकर झगड़ालू रुख कायम रखने से क्षेत्रीय शांति भंगुर बनी हुई है। यह एक अपशकुन है। आईसीएएन और सिपरी की रिपोर्टें बेशक इस बंजर परिदृश्य पर उद्देश्यपूर्ण ढंग से रोशनी डालती हैं, लेकिन चिंताजनक वास्तविकता यह है कि सुरंग के अंत में प्रकाश दिखाई नहीं दे रहा।

लेखक सोसायटी फॉर पॉलिसी स्टडीज़ के निदेशक हैं।

नये भारत में बदलाव के कानून, न्याय की ओर

(लेखक-ललित गर्ग/ईएमएस)

भारतीय न्याय प्रणाली की कमियां को दूर करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना नये भारत की अपेक्षा है। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, कानूनी प्रावधान न्यायसंगत एवं अपराध-नियंत्रण का माध्यम हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। 1 जुलाई, 2024 से भारत आपराधिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। न्याय का एक नया सूरज उदित हो रहा है, जब पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरेंगे। इस दृष्टि से यह कानून से जुड़ी अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारत न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी और नया परिवेश देने वाला साबित होगा। उल्लेखनीय है कि कानूनी बदलाव से जुड़े ये तीनों विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे। अंग्रेजों के बनाये कानून क्या स्वतंत्र भारत में साढ़े सात दशक बाद भी लागू रहने चाहिए, यह लम्बे समय से विमर्श का विषय बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये, अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने का साहसिक एवं प्रासंगिक कदम उठाते हुए नए कानून लाने एवं उन्हें लागे करने का बड़ा कदम उठाया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य है। विपक्षी दलों ने सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को भले ही व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाने की अपेक्षा व्यक्त की हो, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है। इन कानूनों को बनाने का मूल उद्देश्य अपराधमुक्त समाज की संरचना करना है। इसीलिये अपराधियों को कड़े दण्ड देने का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें। यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि इन कानूनों के माध्यम से देश में पुलिस सुधार को भी बल मिलेगा। पुलिस कानून-कायदे के तहत काम करने को विवश या बाध्य होगी। अंततः अब पुलिस को अनुशासित बनाने के साथ-साथ कारगर बनाने की ओर देश ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। पुलिस प्रशासन की सफलता इसी में है कि तमाम लोगों को यह महसूस हो कि कानून न्यायपूर्ण ढंग से लागू किया जा रहा है। एक पहलू यह भी है कि पुलिस प्रशासन को कुशल और सक्षम बनाने के लिए संसाधनों की कमी आड़े नहीं आए। जिस स्तर की सेवा की उम्मीद लोग पुलिस से कर रहे हैं, उसके लिए सरकारों को पुलिस पर व्यय बढ़ाना होगा। सक्षम और सहयोगी पुलिस हमारे तेज विकास में कारगर होगी। पुलिस को प्रशिक्षित एवं सक्षम बनाने के तंत्र भी नये तरीके से विकसित करने होंगे। एक तरह से इन कानूनी प्रावधानों को सहज एवं सरल बनाने के प्रयास किये गये हैं। ध्यान रहे, पिछले कानूनों में यह बड़ी कमी थी कि वे गरीबों को न्याय दिलाने में असमानता के द्योतक थे। उन कानूनों का इस्तेमाल गरीबों के खिलाफ जितनी आसानी से होता था, उससे कहीं ज्यादा कठिनाई से अमीरों के खिलाफ मामले दर्ज होते थे। आरोप सिद्ध होने या सजा के मामले में भी गरीबों को ही ज्यादा भुगतना पड़ता था। औपनिवेशिक युग के निर्मम या गरीब विरोधी कानूनों को समाप्त करने की मांग लंबे समय से हो रही थी। अब इन नये तीन कानूनों ने ब्रिटिश काल के तीन कानूनों की जगह ले ली है, इसका एहसास कराना होगा कि ब्रिटिश हिसाब से बने कानून अब देश में नहीं चल रहे हैं। नए कानूनों में यह ताकत है कि इनसे अपने यहां संपूर्ण न्याय प्रणाली में आम नागरिकों के अनुरूप आधुनिक बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने अपना काम कर दिया है और अब राज्यों को अपने स्तर पर इन अच्छे एवं प्रभावी कानूनों को लागू करने की पूरी तैयारी करनी पड़ेगी और देश के ज्यादातर राज्यों में पुलिस जिस तरह से प्रशिक्षित हो रही है, इससे जुड़ी खबरों का सामने आना भी सुखद है। सक्षम और सहयोगी पुलिस नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत में कारगर होगी। सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के अनुरूप राजद्रोह कानून को तो हटा दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय एकता, अखंडता व संप्रभुता के अतिक्रमण को नये अपराध की श्रेणी में रखा गया है। संगठित अपराधों के लिये तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही अपराध की जांच-पड़ताल को आधुनिक तकनीक के जरिये न्यायसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाना भी अनिवार्य है ताकि अपराधी संदेह का लाभ न उठा सकें। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपराध नियंत्रण में बढ़ेगा। नये कानून के अनुसार मौत की सजा पाये अपराधी को खुद ही दया याचिका दायर करनी होगी, कोई संगठन या व्यक्ति ऐसा न कर सकेगा। निश्चित ही जहां सरकार वर्तमान संदर्भ के अनुरूप कानूनों का आधुनिकीकरण कर रही है वहीं उसे कानून व्यवस्था को सशक्त बनाने एवं पुलिस-व्यवस्था को सुधारने एवं सक्षम बनाने के लिये साधन-सुविधाओं को सुलभ कराने के लिये तत्पर होना होगा। नये कानून एवं नयी आधुनिक अदालतें कल के भारत को और मजबूत करेगी। नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने में इनकी सर्वाधिक सार्थक भूमिका होगी। सरकार अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी या स्थानीय भाषाओं में न्याय-प्रक्रिया को संचालित करने के लिये भी प्रतिबद्ध है।नए कानून से मुकदमे जल्दी निपटेंगे और तारीख पर तारीख के दिन लद जाएंगे। एक जुलाई से लागू हो रहे आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नये कानूनों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए एफआइआर से लेकर फैसले तक को समय सीमा में बांधा गया है। आपराधिक ट्रायल को गति देने के लिए नये कानून में 35 जगह टाइम लाइन जोड़ी गई है। शिकायत मिलने पर एफआइआर दर्ज करने, जांच पूरी करने, अदालत के संज्ञान लेने, दस्तावेज दाखिल करने और ट्रायल पूरा होने के बाद फैसला सुनाने तक की समय सीमा तय है। साथ ही आधुनिक तकनीक का भरपूर इस्तेमाल और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को कानून का हिस्सा बनाने से मुकदमों के जल्दी निपटारे का रास्ता आसान होगा।

विचार मंथन

परीक्षा लीक घोटाले का जनक मध्य प्रदेश

(लेखक- सनत जैन)

- नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के प्रमुख प्रदीप जोशी चर्चाओं में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए डीमैट और व्यापम घोटाला मध्य प्रदेश से शुरू हुआ था। जो अब पूरे देश में नेशनल टेस्ट एजेंसी (नीट) घोटाले के रूप में पहचान बना रहा है। 1.5 से 2 लाख करोड़ रूपये के प्रवेश परीक्षा घोटाले मे पिछले दो दशक में एक बड़ा माफिया नेटवर्क तैयार हो गया है। इसमें कोचिंग सेंटर के संचालक, मेडिकल कॉलेज के संचालक, प्रवेश परीक्षा संचालित करने वाली एजेंसी की मिली भगत से दो दशक में यह घोटाला साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है। मध्य प्रदेश के डीमेट घोटाले के जनक के रूप में योगेश उपरीत की पहचान बनी थी। इन्होंने निजी मेडिकल कॉलेज की परीक्षाएं डीमेट के माध्यम से आयोजित कराईं थीं। ओएमआर शीट के माध्यम से प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती थी। जिन परीक्षार्थियों को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाना होता था, उनको कहा जाता था, कि वो अपनी ओएमआर शीट को खाली छोड़ दें। बाद में पेंसिल से टिक करके उन्हें अच्छे नंबरों से वरीयता क्रम में प्रवेश दे दिया जाता था। डीमेट परीक्षा के माध्यम से निजी मेडिकल कॉलेजों के संचालक, मेडिकल में प्रवेश के नाम पर लाखों रुपए की वसूली करते थे। उन्हीं लोगों को मेडिकल में प्रवेश मिलता था, जो निजी मेडिकल कॉलेजों की मुंह मांगी रकम पहले जमा कर देते थे। इस बंदरबाँट में उस समय के राजनेता और अधिकारी शामिल थे। जब डीमैट घोटाला उजागर हुआ। उसके बाद व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा परीक्षा आयोजित की जाने लगी। इस परीक्षा में निजी और सरकारी सभी मेडिकल कॉलेज शामिल किये गए। मेडिकल में प्रवेश परीक्षा का यह गोरख धंधा बंद नहीं हुआ। व्यापम के परीक्षा नियंत्रक योगेश उपरीत को बनाया गया था। सरकार के संरक्षण और अधिकारियों की मिली भगत से मेडिकल प्रवेश में हजारों करोड़ रुपए का यह घोटाला व्यापम परीक्षा के माध्यम से बड़े पैमाने पर शुरू हुआ। जब व्यापम घोटाले का पर्दाफाश हुआ। उसके बाद 50 से अधिक छात्रों, गवाहों, पत्रकारों और आरोपियों की इसमें आत्महत्या, दुर्घटना इत्यादि में मौत हुई। 5000 से अधिक लोगों को सीबीआई ने अभियुक्त बनाया। सैकड़ों आरोपी अभी भी फरार हैं। सीबीआई अभी वास्तविक अपराधियों को नहीं पकड़ पाई है। जिन लोगों ने पैसे देकर एडमिशन लेने की कोशिश की, जो साल्वर थे। उन्हीं के ऊपर सीबीआई ने शिकंजा कसा। सीबीआई ने मेडिकल कॉलेज के संचालकों को भी आरोपी बनाया। डीएमई को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया था। सीबीआई की पकड़ से बड़ी मछलियाँ बची रहीं। बड़े-बड़े राजनेता जो इस मामले में दोषी थे उन्हें भी बचा लिया गया। व्यावसायिक परीक्षा मंडल का परीक्षा, घोटाला मध्य प्रदेश तक सीमित था।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जो नीट की परीक्षा आयोजित की जाती हैं। इसके अंतर्गत देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिया जाता है। केंद्र सरकार की यह एक अधिकृत एजेंसी है। नीट परीक्षा के माध्यम से एम्स और सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ निजी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश नीट परीक्षा के परिणाम से ही मिलता है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का अध्यक्ष प्रदीप जोशी को बनाया गया है। वह भी मध्य प्रदेश से संबंध रखते हैं। भारतीय जनता पार्टी के एक पूर्व केंद्रीय नेता जो वर्तमान में मार्गदर्शक मंडल के सदस्य हैं, उनके भतीजे बताए जाते हैं। इनके कार्यकाल में नीट परीक्षा में सिक्योरिटी प्रेस, कोचिंग सेंटर के संचालक कुछ परीक्षा केंद्रों के संचालकों की मिली भगत सामने आ रही है। नीट प्रवेश परीक्षा के माध्यम से हर साल हजारों करोड़ रुपए की कमाई शिक्षा माफिया को हो रही है। 2024 में इस माफिया ने अति कर दी। सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज की सीटों पर प्रवेश के लिए पैसे लेकर परीक्षा में बिठाया गया है। 100000 परीक्षार्थियों के नंबर 620 से 720 के आसपास आए हैं। जिसके कारण यह मामला अब तूल पकड़ गया है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने के लिए जिन छात्र-छात्राओं द्वारा कोचिंग ली जाती थी। वहीं से मेडिकल में प्रवेश दिलाने के लिए सौदा तय करने की बात सामने आ रही है।

नीट का परीक्षा परिणाम घोषित होता था। उसके बाद कोचिंग सेंटर के संचालक बड़े-बड़े विज्ञापन प्रकाशित कराते हैं। कोचिंग सेंटर के माध्यम से जो परीक्षार्थी सफल होते हैं। उनके फोटो छापे जाते हैं। जिसके कारण कोचिंग सेंटरों में प्रवेश के लिए भारी भीड़ लगती है। लाखों रुपए कोचिंग की फीस ली जाती है। धंधा साल दर साल बड़ी तेजी के साथ कोचिंग सेंटरों की करोड़ों रुपए की कमाई हो रही थी। परीक्षा में वही पास होते थे, जो जुगाड़ करके कोचिंग सेंटर और दलालों के माध्यम से पैसा देते थे। पिछले 5 वर्षों मे यह गड़-बड़ घोटाला बढ़ता ही जा रहा था। इसके पहले भी पेपर लीक होने की कई शिकायतें हुई हैं। लेकिन हर बार सभी शिकायतों और गड़बड़ियों को दबा दिया गया। उत्तर प्रदेश हरियाणा मध्य प्रदेश उत्तराखंड राजस्थान गुजरात बिहार झारखंड महाराष्ट्र उड़ीसा कर्नाटक तेलंगाना इत्यादि राज्यों में पिछले 5 सालों में 41 भर्ती परीक्षा के पेपर लीक हुए हैं। इस गड़बड़ी के कारण 1 करोड़, 70 लाख छात्र-छात्राओं पर इसका नुकसान हुआ है। नीट में जिस तरीके की गड़बड़ी गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों में उजागर हुई है।

ईवी को समर्थन देने वाली नीति 8-10 साल तक रहे जारी: मर्सडिज-बेंज

जयपुर । मर्सडिज-बेंज इंडिया चाहती है कि सरकार अगले 8 से 10 साल के लिए इलैक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का समर्थन करने वाली नीतियों को जारी रखने को प्रतिबद्ध हो। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों की दिशा में स्थिर और बेहतर योजना बनाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। कंपनी को लगता है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन को हाइब्रिड वाहनों के लिए देने से उत्सर्जन मुक्त वाहनों को अपनाने की समयसीमा बढ़ जाएगी। कंपनी का ईवी प्रसार 2024 की पहली तिमाही में 2.5 प्रतिशत से बढ़कर 6 प्रतिशत हो गया। मर्सडिज-बेंज ने कहा कि इस साल पेश होने वाले 3 नए ईवी मॉडल के साथ यह गति आगे भी जारी रहेगी, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह ईक्यूए से होगी। उन्होंने कहा कि इलैक्ट्रिक वाहनों के लिए सरकार ने पहले ही पांच प्रतिशत जीएसटी कर दिया है, जबकि परंपरागत पेट्रोल-डीजल इंजन पर 48-50 प्रतिशत जीएसटी है।

जापान ने दो दशक में पहली बार नए बैंक नोट जारी किए

तोक्यो । जापान ने दो दशक में पहली बार बुधवार को नए बैंक नोट जारी कर दिए हैं। इनमें जालसाजी से निपटने के लिए 3-डी होलोग्राम प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है। प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने 10,000 येन, 5,000 येन और 1,000 येन के नए नोट की अत्याधुनिक जालसाजी-रोधी विशेषताओं की प्रशंसा करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया। बैंक ऑफ जापान में उन्होंने पत्रकारों से कहा` कि मुझे उम्मीद है कि लोगों को नए नोट पसंद आएंगे और वे जापानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होंगे। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार नए नोट के साथ पहले से चलन में मुद्रा भी वैध रहेगी। बैंक ऑफ जापान के गवर्नर काजुओ उएदा ने कहा` कि हालांकि दुनिया नकदी रहित लेन-देन की ओर बढ़ रही है, लेकिन हमारा मानना है कि कहीं भी तथा कभी भी सुरक्षित भुगतान के लिए नकदी अब भी महत्वपूर्ण है।

व्रज आयरन का शेयर निर्गम मूल्य से 16 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । व्रज आयरन एंड स्टील का शेयर निर्गम मूल्य 207 रुपये से 16 प्रतिशत उछाल के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 15.94 प्रतिशत बढ़कर 240 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। एसई पर बाद में यह 21.71 प्रतिशत चढ़कर 251.95 रुपये पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 21.73 प्रतिशत उछाल के साथ 252 रुपये पर रहा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 831 करोड़ रुपये रहा। व्रज आयरन एंड स्टील के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को निर्गम के आखिरी दिन 119 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का 171 करोड़ रुपये का आईपीओ पूरी तरह से नए शेयरों की पेशकश पर आधारित था। इसके लिए मूल्य दायरा 195-207 रुपये प्रति शेयर था। व्रज आयरन एंड स्टील आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग बिलासपुर सुविधा केंद्र में विस्तार परियोजनाओं और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी।

मारुति सुजुकी स्विफ्ट की 30 लाख से ज्यादा यूनिट बिकी

नई दिल्ली ।

हाल ही में मारुति सुजुकी स्विफ्ट ने नया रिकॉर्ड बनाया है। मारुति सुजुकी स्विफ्ट ने लॉन्चिंग के बाद से अब तक 30 लाख से ज्यादा यूनिट बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने यह हैचबैक पहली बार साल 2005 में लॉन्च की थी। इसके बाद साल 2013 में मारुति स्विफ्ट ने 10 लाख यूनिट बिक्री का आंकड़ा पार किया था। वहीं साल 2018 में करीब 20 लाख यूनिट बिक्री का आंकड़ा पार किया था। अब यह आंकड़ा 30 लाख यूनिट के पार हो गया है। हाल ही में मारुति सुजुकी स्विफ्ट 2024 लॉन्च की गई है। मारुति सुजुकी स्विफ्ट नंबर वन पर बरकरार है। पिछले महीने इस गाड़ी ने 19,393 यूनिट्स बिकीं हैं। वहीं मई 2023 में इस कार की 17,346 यूनिट्स बिकी थी। इस प्रकार मारुति सुजुकी स्विफ्ट की सालान बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

बता दें कि मारुति सुजुकी की गाड़ियों की भारतीय बाजार में काफी अच्छी सेल होती है। कंपनी नेक्सा और एरेना डीलरशिप के जरिए ऑल्टो के 10, सेलेरियो, बलेनो, वैगनआर, इग्निस, फ्रैंक्स और जिम्नी सहित कई कारों की बिक्री करती है।

जियो और एयरटेल का रिचार्ज हुआ महंगा

मुंबई । एयरटेल और जियो के प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान बुधवार 3 जुलाई से महंगे हो गए हैं। टेलीकॉम कंपनियों ने अपने मोबाइल टैरिफ को 11 प्रतिशत से लेकर 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। वहीं वीआई के प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान भी गुरुवार से महंगे हो जाएंगे। जियो का सबसे सस्ता मंथली रिचार्ज प्लान 155 रुपए की जगह अब 189 रुपए का हो गया है। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉलिंग और 2 जीबी इंटरनेट डेटा मिलेगा। जियो का 84 दिन वाला रिचार्ज अब 479 रुपए का हो गया है। इसमें 6 जीबी इंटरनेट डेटा और 1000 एसएमएस भेजने की सुविधा मिलेगी। वहीं जियो का सालाना रिचार्ज प्लान अब 1899 रुपए का हो गया है। इसमें 336 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉल, 24जीबी इंटरनेट डेटा और 3600 एसएमएस भेजने की सुविधा

देश पर कर्ज ज्यादा, लेकिन स्थिरता की समस्या नहीं: पूनम गुप्ता

नई दिल्ली । एनसीएईआर की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा कि भारत का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 82 प्रतिशत है, लेकिन उच्च वृद्धि दर तथा भारतीय मुद्रा में ऋण अधिक होने से देश को ऋण स्थिरता की समस्या नहीं झेलना पड़ रहा है। एनसीएईआर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गुप्ता ने कहा कि भारत का उच्च ऋण स्तर फिलहाल सतत है, क्योंकि वास्तविक या नाममात्र जीडीपी अधिक है और अधिकतर कर्ज रुपये में है। कुल ऋण में से एक तिहाई राज्यों के पास है। सामान्य स्थिति में अगले पांच वर्षों में उनके ऋण स्तर में और वृद्धि ही होगी। उन्होंने कहा` कि पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में ऋण-जीडीपी अनुपात 50 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। गुप्ता ने कहा कि सबसे अधिक कर्जदार राज्यों सहित अन्य राज्यों को भी स्थिरता की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है, क्योंकि उनके पास केंद्र की अंतर्निहित गारंटी होती है और राज्य विदेशी मुद्रा या फ्लोटिंग दर पर ऋण नहीं रख सकते हैं। राज्यों की राजकोषीय चुनौतियां विषय पर आयोजित चर्चा में हिस्सा लेते हुए तक्षशिला संस्थान के पार्षद एम. गोविंद राव ने राज्यों पर बढ़ते कर्ज का एक कारण चुनाव में फायदे के लिए सब्सिडी बढ़ाने को भी बताया। वित्त वर्ष 2022-23 तक पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा बिहार शीर्ष तीन सबसे अधिक ऋणी राज्य थे जबकि सबसे कम कर्ज ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात राज्य पर था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

पहली बार 80,074 के रिकार्ड स्तर पर पहुंचने के बाद फिसला

सेंसेक्स 632 , निफ्टी 162 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 632.85 अंक करीब 0.79 फीसदी बढ़कर दिन में पहली बार 80,074.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया पर अंत में ये कुछ नीचे आकर 80,000 के स्तर के करीब 79,986.80 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 162.65 अंक तकरीबन 0.67 फीसदी बढ़कर 24,286.50 के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। दिन के दौरान, यह 183.4 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 24,307.25 के नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान अदाणी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नीचे आये हैं।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो और हांगकांग के बाजार में उछाल आया जबकि चीन के शंघाई में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में बढ़त रही। अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त के साथ बंद हुए। गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और उसने नई ऊंचाइयों पर खुलकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स पहली बार 80,000 का स्तर पार किया और 80,039 अंकों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। वहीं निफ्टी50 इंडेक्स 169 अंकों की तेजी के साथ 24,292 के नए उच्चतम स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों में डॉव जोन्स में 0.41 फीसदी, एसएंडपी में 0.62 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट में 0.84 फीसदी की वृद्धि हुई।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून में तेजी से बढ़ी: सर्वेक्षण

- मई में यह पांच महीने के निचले स्तर पर थी

नई दिल्ली ।

नए ठेकों में मजबूत वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बिक्री में तेजी से विस्तार के दौरान भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि में जून में तेजी से बढ़त देखी गई। मई में यह पांच महीने के निचले स्तर पर थी। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून में बढ़कर 60.5 हो गया जो मई 60.2 था। यह बढ़ोतरी उत्पादन में तेज विस्तार की ओर इशारा करती है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जून में तेज हुईं। सूचकांक 0.3 पीपीटी (प्रतिशत बिंदु) बढ़कर 60.5 हो गया। इसकी मुख्य वजह घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए ठेकों में वृद्धि रही। इसने सेवा कंपनियों को अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। मजबूत मांग और नए कारोबार की बढ़ती आमद को वृद्धि के प्रमुख निर्धारकों के रूप में उद्धृत किया गया। जून में भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिलने वाले नए ठेके में वृद्धि जारी रही, जिससे विस्तार का मौजूदा क्रम करीब तीन वर्षों तक बढ़ गया। अंतरराष्ट्रीय ठेकों में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई। विदेशों में एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और अमेरिका से नए अवसर मिलने का भी हवाला दिया गया। इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जून में 60.9 रहा जो मई में 60.5 था। उन्होंने कहा` कि जून में समग्र

पीएमआई में भी तेजी आई, जिसमें अधिक नए ठेकों का मिलना प्रमुख वजह रही। सेवा कंपनियों की तुलना में विनिर्माण कंपनियों ने विस्तार में अधिक योगदान दिया। सर्वेक्षण में कहा गया कि निजी क्षेत्र में रोजगार में तीव्र वृद्धि हुई है। यह वृद्धि दिसंबर 2005 के बाद से सबसे तेज में से एक है। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

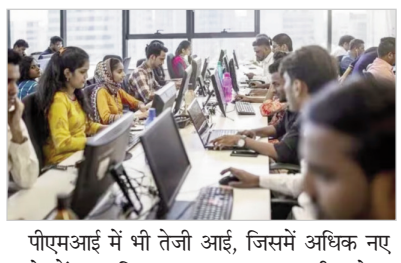

पेट्रोल-डीजल यूपी-बिहार सहित कई राज्यों में हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक कई राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतें घट गई हैं तो वहीं देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा भी हो गया है। इसके अलावा कई ऐसे राज्य हैं जहां पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अगर राज्य स्तर पर बात करें तो बुधवार को बिहार और यूपी सहित कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। बिहार में पेट्रोल 50 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 47 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 94.57 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे बढ़कर 87.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 19 पैसे घटकर 104.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 18 पैसे घटकर 91.06 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर है।

देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में भी मजबूत रहेगी: नोमुरा

नई दिल्ली ।

मजबूत आर्थिक विकास दर और महंगाई कम रहने के कारण व्यापक स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें वित्त वर्ष 25 की दूसरी छमाही में मजबूत रहेंगी। यह बात ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा की ओर से कही गई। नोमुरा ने कहा कि भारत में रिटेल महंगाई दर वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में 4.8 प्रतिशत पर आ गई है, जो कि वित्त वर्ष 24 के अंत में 5.7 प्रतिशत थी। ला नीना, चावल के पर्याप्त भंडार और दालों का उत्पादन बढ़ने के कारण खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में भी कमी देखने को मिल सकती है। नोमुरा के ` विशेषज्ञ ने आने वाले बजट को लेकर कहा है कि इसमें फोकस पूंजीगत व्यय और राजकोषीय समेकन पर हो सकता है। ब्रोकरेज का फोकस मैन्युफैक्चरिंग और खपत से जुड़ी निवेश थीम्स पर है। नोमुरा ने कहा कि बजट सरकार की दिशा को दिखाएगा। इसमें पहले के मुकाबले कोई ज्यादा बदलाव नहीं देखने को मिलेगा। बता दें कि केंद्र में नई सरकार के बनने के बाद पूर्ण बजट इसी महीने पेश किया जाना है। मौजूदा समय में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी की विकास दर 8.2 प्रतिशत थी, जो कि चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। नोमुरा का कहना है कि भारत में सुधार राजनीति की कसौटी पर खरे उतरे हैं। हमारा मानना है कि सरकार सुधारों की गति जारी रखेगी। जमीन और श्रम से जुड़े कठिन सुधार को राज्यों पर छोड़ दिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव काफी मजबूत है। देश की वृद्धि दर तेज बनी हुई है। महंगाई कम हो रही है और साथ ही चालू खाते की स्थिति भी उत्साह पैदा करने वाली है।

एफपीआई रासेल कैपिटल ने सेबी को 1.23 करोड़ का भुगतान किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक रासेल कैपिटल वीसीसी ने निपटान शुल्क के रूप में 1.23 करोड़ रुपये का भुगतान कर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों के कथित उल्लंघन से संबंधित एक मामले का निपटारा कर दिया है। बाजार नियामक सेबी का यह आदेश रासेल कैपिटल द्वारा कानून के तथ्यों और निष्कर्षों को स्वीकार या अस्वीकार किए बगैर इसके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही का निपटारा करने का प्रस्ताव देने के बाद आया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों और अन्य बाजार मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए रासेल कैपिटल के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी। रासेल कैपिटल ने मामले को निपटाने के लिए सेबी के (निपटान कार्यवाही) विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप निपटान अर्जी लगाई थी।

आवेदन मिलने के बाद सेबी की उच्चाधिकार-प्राप्त सलाहकार समिति (एचपीएसी) ने निपटान राशि के भुगतान पर मामले को निपटाने की अनुशंसा की।

सीएमएफ बड्स प्रो 2 और सीएमएफ वॉच प्रो 2 जल्द होंगे लांच

-कंपनी लगातार टीज़र जारी कर दे रही कंपोनेंट की जानकारी

नई दिल्ली ।

नथिंग कंपनी सीएमएफ फोन 1 को आगामी 8 जुलाई को लॉन्च करने के लिए तैयार है। इसी तारीख पर कंपनी द्वारा सीएमएफ बड्स प्रो 2 और सीएमएफ वॉच प्रो 2 को भी पेश किया जाएगा। भारतीय समयानुसार लॉन्च इवेंट दोपहर 2ः30 बजे शुरू होगा और फोन फ्लिपकार्ट के माध्यम से खरीदने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। नथिंग का सब-ब्रांड सीएमएफ अपने आने वाले फोन में इस्तेमाल किए जाने वाले कंपोनेन्ट के बारे में लगातार टीज़र जारी कर रहा है, और उम्मीद की जा रही है कि फोन को बजट सेगमेंट में पेश किया जाएगा। फोन को लेकर जानकारी मिली है कि ये एक नए मीडियाटेक डाइमेंशन प्रोसेसर से लैस होगा। आने वाले फोन में 8जीबी रैम की रैम दी जा सकती है। साथ ही इसमें 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच का अमोलेड डिस्प्ले होने की बात भी सामने आई है। एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कंपनी ने बताया है कि सीएमएफ फोन 1 में मीडियाटेक डाइमेंशन 7300 5जी एसओसी प्रोसेसर दिया जाएगा। ये पहले से ही

कंफर्म हो गया है कि इस फोन में 120एचझेड रिफ्रेश रेट, एचडीआर10 प्लस सपोर्ट और 2,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ 6.67-इंच का अमोलेड डिस्प्ले होगा। सीएमएफ फोन 1 में 8 जीबी रैम दी जा सकती है। सीएमएफ के नए फोन में रैम बूस्टर तकनीक के साथ ऑनबोर्ड मेमोरी को 16 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। ये फोन 4के वीडियो रिकॉर्डिंग को भी सपोर्ट करेगा। फोन का डाइमेंशन 7300 चिपसेट टीएसएमसी की 4 एनएम जेन 2 प्रोसेसर पर बेस्ड है और इसमें 2.5जीएचझेड की क्लॉक स्पीड के साथ चार परफॉर्मेंस कोर शामिल है। इस चिपसेट से आने वाले फोन में ब्लूटूथ 5.3, वाई-फाई 6 और डुअल 5जी कनेक्टिविटी ऑप्शन मिलेगा।साथ ही ये भी दावा किया गया है कि इस नए लॉन्च किए गए ऑक्टा-कोर चिपसेट ने 673,000 अंकों के साथ अनटूटू बेंचमार्क टेस्ट में स्नैपड्रैगन 782जी, डाइमेंशन 7050 और स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 चिपसेट से बेहतर परफॉर्मेंस के साथ आते हैं।

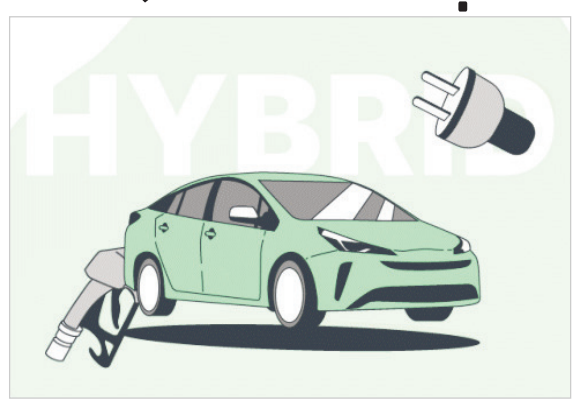

हाइब्रिड वाहनों ने ईवी की बिक्री को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

अप्रैल-जून के बीच हाइब्रिड वाहनों ने ईवी की बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर के ट्रेंड्स में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

देश में लोग ईवी से दोगुनी कीमत होने के बावजूद हाइब्रिड कारों पर भरोसा कर रहे हैं। दुनिया में पेट्रोल-डीजल चलित वाहनों के अलावा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड, माइल्ड हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड और प्योर इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ रही है। वाहन डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक, देश में अप्रैल से 11 जून के बीच 7500 प्रतिमाह के हिसाब से 15,000 ईवी बिकीं, जबकि हाइब्रिड की बिक्री 59,814 रही। प्योर इलेक्ट्रिक कारें 8 लाख रुपए से शुरू होती हैं, वहीं हाइब्रिड कारों की कीमत 17 लाख से शुरू है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, फरवरी में अमेरिका में ईवी बिक्री की तुलना में हाइब्रिड की बिक्री पांच गुना तेजी से बढ़ी है। ऑटो कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटो मोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हाइब्रिड कारों की बिक्री पिछले साल 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। यही वजह है कि मारुति सुजुकी, टोयोटा जैसे जापानी वाहन निर्माता ईवी के बजाय हाइब्रिड पर जोर दे रहे हैं। हुंडई भी 2026 तक भारत में अपनी पहली हाइब्रिड कार लॉन्च करने की योजना बना रही है। हाइब्रिड व्हीकल में पेट्रोल या डीजल जैसे इंटरनल कंबशन इंजन (आइस) के साथ ही इलेक्ट्रिक बैटरी भी होती है, जो वाहनों की रेंज और फ्यूल एफिशिएंसी बढ़ाने में मददगार है।

चैम्पियंस ट्राफी : भारत-पाक मैच की तारीख आई सामने, बीसीसीआई की सहमति बाकी

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैम्पियंस ट्रॉफी के अस्थायी कार्यक्रम में अपनी टीम का चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफमैच अगले साल एक मार्च को रखा है, हालांकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने अभी तक इस पर सहमति नहीं दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड के एक सीनियर सदस्य ने बुधवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। टूर्नामेंट अगले साल 19 फरवरी से नौ मार्च तक खेला जाएगा जिसमें 10 मार्च 'रिजर्व डे' होगा।

पता चला है कि पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने 15 मैच का कार्यक्रम सौंप दिया है जिसमें भारत के मैच सुरक्षा और 'लाजिस्टिकल' कारणों से लाहौर में ही रखे गए हैं। नकवी को टी20 विश्व कप फाइनल देखने के लिए बारबाडोस में आमंत्रित किया गया था। आईसीसी बोर्ड के सदस्य ने कहा, 'पीसीबी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी के 15 मैच के कार्यक्रम का मसौदा सौंप दिया है जिसमें सात मैच लाहौर में, तीन मैच कराची में और पांच मैच रावलपिंडी में रखे गए हैं।'

सूत्र ने कहा, 'पहला मैच कराची में रखा गया है जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में जबकि फाइनल लाहौर में कराया जायेगा। भारत के सभी मैच (टीम के क्वालीफाई करने के स्थिति में सेमीफाइनल सहित) लाहौर में रखे गए हैं।' भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। हाल में आईसीसी के टूर्नामेंट प्रमुख क्रिस टेटले ने पीसीबी चेयरमैन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी।

इससे पहले विश्व संस्था की सुरक्षा टीम ने स्थल और अन्य इंतजामों का मुआयना किया था। पिछली बार पाकिस्तान ने 2023 में 'हाइब्रिड मॉडल' के हिसाब से एशिया कप की मेजबानी की थी जिसमें भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को सीमा के बाहर यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी।

सूत्र ने कहा, 'आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी के प्रतिभागी देशों के (बीसीसीआई के इतर) सभी बोर्ड प्रमुखों ने पूरा समर्थन दिया है लेकिन बीसीसीआई सरकार से सलाह मश्विरा करके आईसीसी को अपडेट करेगा।' वहीं आईसीसी किसी भी बोर्ड को अपनी सरकार की नीति के खिलाफ जाने के लिए बाध्य नहीं कर सकता जिससे यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले में बीसीसीआई कब फैसला करता है।

तीसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए तैयारी कर रही है सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम करना चाहती हैं। सिंधु ने इससे पहले रियो और टोक्यो में रजत और कांस्य पदक जीते थे। ऐसे में सिंधु इस बार स्वर्ण जीतना चाहेंगी। सिंधु ने एक कार्यक्रम में कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है पर असंभव नहीं है।''

सिंधु का मानना है कि उन्हें ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें अपने कौशल को और निखारते हुए रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है पर इसके साथ ही स्मार्ट होना भी जरुरी है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' सिंधु अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी।

सिंधु ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस ह्वी सैंटोसो इसपर काम कर रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में पारंगत होना जरुरी है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं क्योंकि आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है, जीत के लिए सभी प्रकार से खेलना आना चाहिये।

टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम का होगा रोड शो, फिर वानखेड़े में किया जाएगा सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को गुरुवार को खुली बस में रोड शो के बाद यहां वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा। भारतीय टीम के गुरुवार को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर नयी दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'टीम बीसीसीआई द्वारा मुहैया कराई गई एयर इंडिया की विशेष विमान से बारबाडोस से रवाना हो गयी। बारबाडोस में फंसे भारतीय पत्रकार भी बीसीसीआई अध्यक्ष (रोजर बिन्नी) और सचिव (जय शाह) के साथ इसी फ्लाइट में आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'फ्लाइट कल सुबह दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरेगी। टीम सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके निवास पर मुलाकात करेगी। इसके बाद टीम मुंबई के लिए उड़ान भरेगी जहां उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।' शुक्ला ने कहा, 'नरीमन प्वाइंट से खुली बस में रोड शो कराया जाएगा और फिर खिलाड़ियों को घोषित 125 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा।' इसी तरह का रोड शो 14 साल पहले भी कराया गया था जब महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली टीम ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में शुरूआती विश्व टी20 के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने शनिवार को हुए 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की रोमांचक जीत दर्ज कर खिताब जीता था। स्थानीय प्रशासन और क्रिकेट अधिकारियों द्वारा अंतिम योजना तैयार की जा रही है। उम्मीद है कि टीम नरीमन प्वाइंट से वानखेड़े स्टेडियम तक एक खुली बस में रोड शो करेगी, जहां बीसीसीआई का मुख्यालय भी है। भारतीय टीम के सदस्यों के लिए वानखेड़े में सम्मान समारोह की भी योजना बनाई गई है।

हरारे के मैदान पर बड़े स्कोर बनाना चाहेगी भारतीय टीम

हरारे (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी भारतीय क्रिकेट जिम्बाब्वे दौरे पर गयी है। इसमें मुख्य कोच की भूमिका पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण निभायेंगे। भारतीय टीम को इस दौर में पांच टी20 मुकाबले खेलने हैं। इसका पहला मुकाबला 6 जुलाई को होना है। सभी मैच हरारे के मैदान पर होने हैं जहां जमकर रन बनते हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में अब तक 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच हुए हैं। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 25 मैच जीते, जबकि पीछा करने वाली टीम ने 19 मैच जीते हैं। हरारे में एक टीम का सबसे अधिक स्कोर 229 है। सबसे कम टीम स्कोर 90 है।

आयोजन स्थल पर औसत स्कोर 165 है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य यहां बड़े स्कोर बनाना रहेगा। भारतीय टीम में शामिल युवा खिलाड़ी अधिक से अधिक रन बनाकर टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

भारतीय टीम ने हरारे में अब तक खेले 5 मुकाबले जीते हैं। दोनों टीमों ने आखिरी बार 8 साल पहले हरारे के मैदन पर एक साथ खेला था। तब केदार यादव ने 58 रन की पारी खेलकर भारत को 138 रन तक पहुंचाया था। इस मैच में मेजबान जिम्बाब्वे तीन रनों से हारी थी।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है

पहला टी20 मैच : 6 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे

दूसरा टी20 मैच : 7 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे

तीसरा टी20 मैच : 10 जुलाई, हरारे, शाम 9:30 बजे

चौथा टी20 मैच : 13 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे

5वां टी20 मैच : 14 जुलाई, हरारे, शाम 4:30 बजे

वॉन ने बुमराह को सफेद गेंद प्रारुप का सबसे बेहतर गेंदबाज बताया

लंदन । आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सभी ने प्रशंसा की है। भारतीय टीम की जीत में बूमराह की अहम भूमिका रही है। वहीं अब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें सफेद गेंद क्रिकेट (सीमित ओवरों) का सबसे बेहतर गेंदबाज बताया है। वॉन ने कहा, अगर आप मुझे अच्छे तेज गेंदबाज की बात पूछेंगे तो हो सकता है कि वे वसीम अकरम या अन्य कई गेंदबाज होंगे पर अगर विशेष कौशल और क्षमता वाले गेंदबाज की बात करें तो वह बुमराह ही हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह के पास अलग ही क्षमता और तेजी है। वह दबाव के बीच भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने विश्व कप के 1 या 2 नहीं कई मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। बुमराह ने फाइनल में 4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर 2 विकेट लिए। पूरे टूर्नामेंट की बात करें तो बुमराह ने 8 मैच में कुल 15 विकेट लिए। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर रहे। बुमराह ने जब भी जरुरत हुई टीम को सफलता दिलायी। उन्होंने जब से टीम में प्रवेश किया है टीम को प्रदर्शन शानदार रहा है।

दक्षिण अफीकी टीम मजबूत वापसी करेगी : मिलर

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफीकी क्रिकेटर डेविड मिलर टी20 विश्व कप के फाइनल में मिली हार के बाद से ही बेहद निराश हैं। मिलर ने कहा कि इस प्रकार जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पाने को वह स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं हालांकि उनका मानना है कि टीम इस हार से उबरकर मजबूत वापसी करेगी। मिलर के अनुसार इस टीम में जुनून है और क्षमताएं हैं जिससे उसका स्तर बेहतर होता जाएगा। उनकी टीम ने इस विश्वकप में फाइनल से पहले के सभी मैच जीतकर दिखाया है कि उसे दबाव में भी खेलना आता है। मिलर ने लिखा, 'मैं बहुत निराश हूं, जो हुआ उसे मानना मेरे लिए काफी कठिन है। मेरे पास अपनी भावनाओं को बयां करने के लिए शब्द नहीं है। मुझे हालांकि इस टीम पर बेहद गर्व है। फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपने अभियान में कई करीबी मैचों में जीत दर्ज की पर टीम खिताबी मुकाबले में जीत के करीब होने के बाद अंतिम पांच ओवर में बिखर गई थी। मिलर ने कहा, 'इस टूर्नामेंट में हमारा सफर शानदार रहा। हमने पूरे महीने कई उतार-चढ़ाव देखे। हमने कठिन हालातों का सामना किया। मैं हालांकि जानता हूं कि इस टीम में जज्बा है और वह अपना स्तर ऊंचा करती रहेगी। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम पांच ओवर में 30 रन चाहिए थे पर इसके बाद जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की शानदार गेंदबाजी से मैच में भारतीय टीम हावी हो गयी थी। अंतिम ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रनों की जरूरत की और मिलर ने एक बड़ा शॉट खेला था पर सूर्यकुमार ने बेहद कठिन कैच पकड़कर मिलर को पेवेलियन वापस भेज दिया था।

हार्दिक पंड्या ने वानिंदु हसरंगा से छीनी बादशाहत, भारतीय खिलाड़ी बना नंबर 1 ऑलराउंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को बड़ा फायदा हुआ है। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से अहम योगदान निभाने वाले पंड्या ने वानिंदु हसरंगा को पछाड़ दिया है। जिसके बाद आईसीसी टी20 रैंकिंग में हार्दिक पंड्या दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बन गए हैं। ये पहली बार है जब हार्दिक पंड्या पहली बार आईसीसी टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किए हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत की तरफ से हार्दिक पंड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से कमाल किया। साथ ही उन्होंने आखिरी ओवर में 2 विकेट लिए और भारत को ये जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। भारत के टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद हार्दिक पंड्या को आईसीसी से खास तोहफा मिला। आईसीसी टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में हार्दिक पंड्या ने पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के नंबर-1 का टैक छीन लिया। इसके अलावा टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में मार्कस स्टोइनिस, सिकंदर रजा, शाकिब अल हसन और लियाम लिविंगस्टन को एक-एक स्थान का फायदा हुआ।

अर्जेन्टीना की ओलंपिक फुटबॉल टीम का ऐलान, मेस्सी को नहीं मिली जगह

ब्यूनस आयर्स - लियोनेल मेस्सी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेन्टीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं। इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेस्सी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेन्टीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेन्टीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेस्सी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी। ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे। हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

पाक टीम की आलोचना को सही मानते हैं रिजवान

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने कहा है कि टी20 विश्वकप क्रिकेट में जितना खराब प्रदर्शन टीम ने किया है। उसको देखते हुए टीम की जिस प्रकार से आलोचना हो रही है। उसमें कुछ भी गलत नहीं है। रिजवान ने कहा कि टीम से लोगों का काफी उम्मीदें पर उसने वो तोड़ दीं। विश्वकप में पाक टीम अपने पहले ही मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई और सुपर ओवर में उसे अमेरिका के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद भारत के हाथों भी उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे पूर्व क्रिकेटरों ने उसके खरी खोटी सुनाई है। रिजवान ने कहा कि टीम के साथ जो व्यवहार हो रहा है उसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि उम्मीद के अनुसार नहीं खेलने के कारण हम इस व्यवहार के ही हकदार हैं।

इस क्रिकेटर ने कहा कि हम भी टी20 विश्व कप में अपने प्रदर्शन से निराश हैं। हमारी हार के पीछे कई कारण हैं। जब कोई टीम हारती है तो कोई ये नहीं कह सकता कि उसकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी अच्छी चल रही है।

बजरंग ने नाडा पर लगाये गंभीर आरोप

नई दिल्ली । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने आरोप लगाया है कि नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) उनका करियर समाप्त करना चाहती है। इसलिए उन्हें एक ही मामले को लेकर दो-दो बार निलंबित किया गया है। बजरंग के अनुसार नाडा ने सभी तथ्यों को परे रखकर काम किया है। इससे साफ है कि उन्हें परेशान कर खेल छोड़ने के लिए विवश किया जा रहा है। बजरंग को नाडा ने पहले 5 मई और उसके बाद 23 जून को दोबारा निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही उन्हें नोटिस देकर 11 जुलाई तक जवाब देने को कहा है। वहीं बजरंग ने कहा कि नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाकर बाहर कर दिया जाता है। साथ ही सवाल किया कि नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता है। वो इस बात का जवाब क्यों नहीं देते हैं कि कैसे एक गलत किट उन्हें दी गयी। इसके अलावा सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव बनाया। नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगली कुश्ती की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे। वहीं नाडा का कहना है कि बजरंग को जांच के लिए सैंपल नहीं देने के लिए निलंबित किया गया था।

पेरिस डाइमंड लीग मेरे प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी : नीरज चोपड़ा

सारब्रकेन (जर्मनी) (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने बुधवार को स्पष्ट किया कि रविवार को होने वाली पेरिस डाइमंड लीग इस साल कभी उनके प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी। यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि चोपड़ा ने जांघ में मामूली चोट के कारण इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया है जो पिछले कुछ महीनों से उन्हें परेशान कर रही थी।

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 'एक्स' पर कहा कि जब उन्होंने अपना नाम प्रतियोगिता के लिए भेजा ही नहीं तो नाम वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता। तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने लिखा, 'सभी को नमस्ते। बस स्पष्ट करने के लिए- पेरिस डाइमंड लीग इस सत्र में मेरे प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी इसलिए मैंने इससे 'नाम वापस' नहीं लिया है। मैं ओलंपिक खेलों के लिए तैयार होने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'चीजों को समझने और समर्थन के लिए धन्यवाद, और प्रतिस्पर्धा करने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं।'

पिछले सप्ताह भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने उन्हें राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से छूट दे दी थी जो सभी भारतीय एथलीटों के लिए अनिवार्य प्रतियोगिता थी। एएफआई ने कहा था कि घरेलू प्रतियोगिता और सात जुलाई को डाइमंड लीग के बीच कम समय होने के कारण उन्हें यह छूट दी गई।

एएफआई के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने कहा था, 'हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रत्येक एथलीट भारत में अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में भाग लेगा। लेकिन पेरिस डाइमंड लीग अंतर राज्यीय चैंपियनशिप से टकरा रही है और हमें लगता है कि ओलंपिक खेलों से पहले पेरिस डाइमंड लीग उसके (चोपड़ा) लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी इसलिए वह एकमात्र व्यक्ति है जिसे फेडरेशन कप में भाग लेने की विशेष अनुमति दी गई है।'

चोपड़ा ने हालांकि पिछले महीने संकेत दिया था कि उनका कार्यक्रम उनके शरीर की स्थिति के अनुसार तय होगा। चोपड़ा ने कहा था, 'हमारे बीच चर्चा हुई कि मैं अंतर राज्यीय चैंपियनशिप (27 से 30 जून) में खेलूंगा और यह हरियाणा के पंचकुला में होगी लेकिन पेरिस ओलंपिक और इसके बीच काफी कम समय है।'

उन्होंने कहा, 'मैं दोहा में खेल रहा था तो भारत के करीब है। इसके अलावा राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप और ओलंपिक के बीच पेरिस डाइमंड लीग (सात जुलाई) है। इसलिए हमने यहां (फेडरेशन कप) हिस्सा लेने का फैसला किया।' चोपड़ा ने कहा, 'आगे के प्रतियोगिता कैलेंडर पर फैसला हालात और शरीर की स्थिति के अनुसार किया जाएगा। अन्यथा, मैं यहां से पेरिस (तुर्कु में प्रतिस्पर्धा के बाद) जाऊंगा।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमश: 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अत: राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्थात पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने

वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुत: इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग

तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बड्र्स और गरुड़ शामिल हैं।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

म्यांमार में सेना और विद्रोहियों के बीच फिर जंग.....भारत मिजोरम को लेकर चिंतित

रंगून । म्यांमार में सेना और विद्रोहियों के बीच जारी जंग फिर से भारत की सीमा के पास पहुंच गई है। जिससे इसकी आशंका बढ़ गई है कि इसका असर भारतीय राज्य मिजोरम तक पहुंच सकता है। म्यांमार के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुके विद्रोहियों ने सरकारी सेना को अन्य हिस्सों से भी उखाड़ फेंकने के लिए नया सैन्य अभियान शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार वहीं विद्रोहियों के दो गुटों के बीच में आपस में भी लड़ाई शुरू हो गई है। इससे हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सेना ने चिन राज्य में चल रही गतिविधियों को लेकर पूरी सतर्कता बरत रखी है और हालात पर नजर बनाए हुए है। म्यांमार का चिन राज्य देश के सबसे गरीब इलाके में आता है। चिन राज्य और मिजोरम राज्य के बीच में 510 किमी लंबी खुली सीमा है जहां कोई बाड़ नहीं लगी है। एक भारतीय सैन्य अधिकारी ने बताया कि ताजा लड़ाई सेना और विद्रोहियों के बीच में बांग्लादेश की सीमा के करीब हुई है, लेकिन हम इस विद्रोह को हल्के में नहीं ले सकते हैं। एक दूसरे सूत्र ने कहा कि चिन राज्य में हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने बताया कि जुंटा सेना ने एक नदी पुल को उड़ाया था जिससे मिजोरम और म्यांमार के बीच व्यापार जून से बंद है। विद्रोहियों के कई इलाकों मे आगे बढ़ने के बाद चिन राज्य में सुरक्षा के हालात बहुत खराब हैं। पीपुल्स डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि उसने जुंटा सेना के एयर डिफेंस बटालियन और 8 अन्य सैन्य अड्डों को मांडले में जब्त कर लिया है। म्यांमार की निर्वासित सरकार ने बताया कि ताजा लड़ाई पूर्वी शान राज्य में भी शुरू हो गई है जहां सरकारी सेना ने चीन के कराए सीजफायर का उल्लंघन किया था। बता दें कि भारतीय विदेश मंत्री म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध पर गहरी चिंता जाहिर की है। भारत ने मदद का ऑफर भी दिया है।

इटली पुलिस ने भारतीय श्रमिक की मौत मामले में खेत के मालिक को गिरफ्तार किया

रोम । इटली पुलिस ने कृषि उपकरण से हाथ कटने के कारण हुई भारतीय श्रमिक की मौत मामले में खेत के मालिक को गिरफ्तार किया है। अभियोजकों ने बताया कि खेत के मालिक ने खून से लथपथ श्रमिक को उसी के हाल पर छोड़ दिया था और एम्बुलेंस तक को फोन नहीं किया और अधिक खून बहने के कारण श्रमिक की मौत हो गई। श्रमिक की पहचान सतनाम सिंह के रूप में हुई है जो एक अवैध प्रवासी था। सिंह की मौत से इटली के लोग सकते में हैं और कार्य स्थल पर बेहतर माहौल की मांग को लेकर कृषि संघों और श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। विरोध-प्रदर्शन में श्रमिकों ने इटली के कृषि उद्योग में कम वेतन पर काम करने वाले प्रवासी श्रमिकों का शोषण करने वाली व्यवस्था को खत्म करने का आह्वान किया। देश के राष्ट्रपति सर्जियो मटेरेला ने भी मामले पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि सिंह जैसे श्रमिकों के साथ ''क्रूरता' की जाती है और इटली में कृषि श्रमिकों को अक्सर ''अमानवीय'' हालात में काम करना पड़ता है। बयान में कहा कि खेत के मालिक एंटोनेलो लोवाटो को गिरफ्तार किया गया है। फॉरेंसिक जांच में पता चला कि सिंह की मौत ''अत्यधिक रक्त बहने'' के कारण हुई थी।

अंतरिक्ष में भी अमेरिका को टक्कर देने की तैयार में ड्रैगन, अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में खुलासा

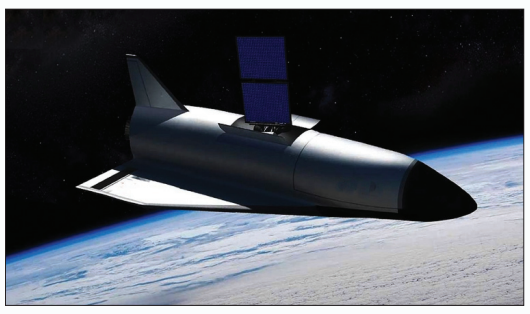

वाशिंगटन । अंतरिक्ष में लंबे समय से अमेरिका ने अपनी बादशाहत कायम रखी थी, लेकिन अब बादशाहत पर खतरा है। चीन जिस तेजी से अंतरिक्ष में अपनी क्षमता को बढ़ाते हुए रणनीतिक युद्धाभ्यास पर जोर दिया है, वह जल्द ही अमेरिका को चुनौती देने में सक्षम होगा। अमेरिकी थिंक टैंक अपनी नई रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट में चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के पिछले दो दशकों में हासिल की गई अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं पर विश्लेषण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के नेता शी जिनपिंग अमेरिका एक कमजोर होती ताकत के रूप में देख रहे हैं। इसकारण चीन अब भविष्य में अंतरिक्ष में मुकाबले के लिए आक्रामक तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट बताती है कि चीन अंतरिक्ष में अपनी सैन्य तैयारियों को मुख्य रूप से अमेरिका को ध्यान में रखकर तैयार कर रहा है। अमेरिकी थिंक टैंक ने सलाह दी है कि अमेरिकी अधिकारियों को बहुत कम संचार के साथ त्वरित निर्णय लेने की उम्मीद करनी चाहिए और अंतरिक्ष संकटों में पीएलए से सहयोग की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि अमेरिकी अंतरिक्ष बल को शांतिकाल में भी पीएलए की आक्रामक कार्रवाइयों के लिए तैयार रहना चाहिए।

पाकिस्तान में नासूर बना आंतक...380 मौतें

लौहार । पाकिस्तान में 240 आतंकी घटनाओं और आतंकवाद विरोधी अभियानों के परिणामस्वरूप हिंसा से जुड़ी 380 मौतें और नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और अपराधियों के बीच 220 चोटें दर्ज की गईं। एक रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत हिंसा के केंद्र थे, इस दौरान लगभग 92 प्रतिशत मौतें और 87 प्रतिशत हमले (आतंकवाद और संचालन की घटनाओं सहित) हुए। रिपोर्ट में बताया गया कि पूरे पाकिस्तान में हिंसा और हताहतों की दर में उल्लेखनीय कमी देखी गई और देश में समग्र हिंसा में 12 प्रतिशत की कमी देखी गई, जिसमें पहली तिमाही में 432 की तुलना में 380 मौतें दर्ज की गईं। सबसे उल्लेखनीय सुधार बलूचिस्तान में देखा गया, जहां हिंसा में 46 प्रतिशत की कमी आई, इस वर्ष की पहली तिमाही में मृत्यु दर 178 से घटकर दूसरी तिमाही में 96 रही। हालाँकि, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में पिछली तिमाही की तुलना में क्रमश : 13 और 31 मौतों की वृद्धि के साथ हिंसा में वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों को कुल मौतों में से 62 प्रतिशत का नुकसान हुआ, जो डाकूओं के बीच 38 प्रतिशत की घातक क्षति से काफी अधिक है। सांप्रदायिक हिंसा के कारण करीब 11 लोगों की जान चली गई।

6700 करोड़पतियों का नया आशियाना बनने को तैयार दुबई

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का व्यापारिक केंद्र दुबई दुनिया भर के अमीरों के आकर्षण का केंद्र है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुबई में इस साल 6700 करोड़पतियों के आने का अनुमान है। अब दुबई में आने वाले अमीर लोगों की संख्या अमरीका से लगभग दोगुना है। अमरीका में इसतरह के 55 लाख लोग 10 लाख डॉलर या उससे अधिक की संपत्ति रखते हैं।

दुबई व्यापार करने के लिए आसान जगह होने के साथ ही दुनिया में लगभग हर जगह के लिए यहां से सुविधाजनक उड़ानें है। इसकी सड़कें न्यूयॉर्क या लंदन की तुलना में ज्यादा साफ-सुथरी और अधिक सुरक्षित हैं। दूसरा यह विदेशी अमीरों को इसलिए भी अपनी ओर आकर्षित करता है क्योंकि यहां पर आय, संपत्ति या पूंजीगत लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता है। रिपोर्ट में कहा गया है लंबे समय से पड़ोसी देशों के अमीर रूसियों, भारतीयों और अरबों के लिए एक शरणस्थल रहा दुबई अब मुगल प्रवासियों के एक नए समूह को आकर्षित कर रहा है।फ्रांस में कट्टर-दक्षिणपंथी सरकार के सत्ता में आने की खबरों के बाद फ्रांस के अमीर दुबई में बसने के लिए ब्रोकर और एजेंटों को कॉल कर रहे हैं। 2024 के पहले तीन महीनों में दुबई में भारतीयों के साथ-साथ फ्रांसीसी और इटालियंस घर खरीदने में सबसे ज्यादा उत्साहित थे। कहा जा रहा है कि फरवरी माह में यूरोपीय लोगों ने दुबई ने अपनी ओर एकाएक खींच लिया जब यहां एक अंतर-सरकारी निकाय, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफ.ए.टी.एफ.) ने मनी-लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय शरारती लोगों द्वारा पसंद किए जाने वाले संदिग्ध स्थानों की अपनी ग्रे सूची से हटा दिया। दुबई को यूरोपियन अमीरों द्वारा तरजीह देने का एक और कारण यह है कि गाजा पट्टी पर चल रहे संघर्ष के बीच अब इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई तेज हो गई है। इसकारण यूरोपियन अमीर तर्क देते हुए दिखाई देते हैं कि यह एक क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है।

नैरोबी में टेक्स बढ़ाये जाने के खिलाफ हुए प्रदर्शन में मारे गये लोगों को लेकर विरोध व्यक्त करता हुआ एक प्रदर्शनकारी।

अमेरिका और ब्रिटेन में फिर से कोरोना की आहट... मास्क पहनना अनिवार्य

वॉशिंगटन। अमरीका और ब्रिटेन में कोविड की एक और लहर की संभावना है क्योंकि दोनों ही देशों से संक्रमण की सूचनाएं आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन की आबादी के एक कमजोर वर्ग को मास्क पहनने के निर्देश और टीकाकरण में भी तेजी लाई गई है। वहीं दूसरी ओर अमरीका में अटलांटिक के पार मामलों में वृद्धि पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, क्योंकि रोग नियंत्रण केंद्र (सी.डी.सी.) नए कोविड-19 वेरिएंट की निगरानी कर रहा है जिसे एल.बी.1 के रूप में नामित किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से वायरस प्रकोप पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। (यू.के.एच.एस.ए.) के अनुसार 26 जून को लगभग हर 25,000 ब्रिटिश नागरिकों में से एक कोविड-19 से संक्रमित था। मार्च 2020 में यह 13 में से एक था। रिपोर्ट के अनुसार संक्रमण में वृद्धि सांख्यिकीय रूप से मार्च 2020 की तुलना में बहुत कम है, जब पहली बार यू.के. में महामारी की सूचना दी गई थी। दो नए सब-वेरिएंट केपी.2 और केपी.1 को फ्लर्ट नाम दिया गया है। फ्लर्ट ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट्स का एक ग्रुप है और ये दोनों इस ग्रुप के अंदर ही आते हैं। केपी.1 और केपी.2 को फ्लर्ट उपनाम वैज्ञानिकों ने उनके म्यूटेशन के तकनीकी नाम के आधार पर दिया है। मार्च में, इन वेरिएंट की अमरीकी आबादी में केवल पांच प्रतिशत हिस्सेदारी थी। ब्रिटिश महामारी विज्ञान विशेषज्ञ पॉल हंटर के हवाले से कहा गया है कि उन्हें नहीं लगता कि वर्तमान कोविड-19 संक्रमण दर चिंताजनक है।

क्या भारतीय मूल की कमला हैरिस होंगी अमेरिका की अगली राष्ट्रपति? सीएनएनके सर्वे में क्या नई बात सामने आई

काठमांडू, (एजेंसी)। व्हाइट हाउस और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के सात वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, यदि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने इलेक्शन अभियान को जारी नहीं रखने का निर्णय लेते हैं, तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस उनकी जगह लेने के लिए शीर्ष विकल्प हैं। पिछले हफ्ते रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ पहली बहस में बाइडेन के लड़खड़ाते, कभी-कभी असंगत और व्यापक रूप से प्रचारित प्रदर्शन ने डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर चिंता की लहर पैदा कर दी है। बाइडेन को लेकर ये अटकलें चलने लगी हैं कि वह दूसरे कार्यकाल के लिए पर्याप्त रूप से फिट हैं या नहीं। समाचार एजेंसी के सूत्रों के अलावा, सीएनएन पोल ने भी दावा किया कि हैरिस के पास व्हाइट हाउस बरकरार रखने का बेहतर मौका है। एसआरएस द्वारा कराए गए सीएनएन

पोल के मुताबिक, ट्रंप बाइडेन से छह अंक आगे हैं।

सर्वेक्षण में हैरिस को एक काल्पनिक मुकाबले में ट्रम्प से काफी दूरी पाया गया है। पंजीकृत मतदाताओं में से 47 प्रतिशत ट्रम्प का समर्थन करते हैं, 45 प्रतिशत हैरिस को पंसद करते है जो बताता है कि ऐसे परिदृश्य में कोई स्पष्ट नेता नहीं है। ट्रम्प के खिलाफ हैरिस का थोड़ा मजबूत प्रदर्शन कम से कम आंशिक रूप से महिलाओं के व्यापक समर्थन पर निर्भर करता है (50प्र. महिला मतदाताओं ने ट्रम्प के मुकाबले हैरिस का समर्थन किया, जबकि 44त्न ने ट्रम्प के खिलाफ बाइडेन का समर्थन किया) और निर्दलीय (43त्न हैरिस बनाम 34प्र. बिडेन) का समर्थन किया।

कुछ प्रभावशाली डेमोक्रेट ने हैरिस के अलावा बिडेन के लिए विकल्प तैयार किए हैं, जिनमें लोकप्रिय कैबिनेट सदस्य और कैलिफोर्निया के गेविन न्यूसोम, मिशिगन के ग्रेचेन व्हिटमर और पेंसिल्वेनिया के जोश शापिरो जैसे डेमोक्रेटिक गवर्नर शामिल हैं। लेकिन नाम न छापने की शर्त पर इन सूत्रों ने कहा कि हैरिस को दरकिनार करने की कोशिश करना इच्छाधारी सोच है और यह लगभग असंभव होगा। सूत्रों ने कहा कि अगर पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया जाता है, तो 59 वर्षीय हैरिस, बिडेन अभियान द्वारा जुटाए गए धन और अभियान के बुनियादी ढांचे को विरासत में ले लेंगी। सूत्रों ने कहा कि सभी विकल्पों में से उनके पास सबसे ज्यादा नाम पहचान है और डेमोक्रेट्स के बीच सबसे ज्यादा मतदान है, जिन्हें गंभीरता से उम्मीदवार माना जा सकता है।

रुस जा रहे पीएम मोदी... इस बाहुबली के सौदे पर हो सकती बात

मास्को (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8-9 जुलाई को रूस की यात्रा पर जा रहे हैं। पीएम मोदी की मास?को यात्रा को इस नजरिए से देखा जा रहा है कि वे दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि भारत और रूस की दोस्ती कमजोर नहीं हुई है। माना जा रहा है कि इस बातचीत के दौरान पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट को लेकर चर्चा हो सकती है। पुतिन रूस के सुखोई-57 को लेकर पीएम मोदी से बातचीत कर सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी और पुतिन के बीच बातचीत में एक लॉजिस्टिक सप?लाई समझौते को शामिल किया जा सकता है जो दोनों देशों की सेनाओं के बीच में होगा। इसके अलावा पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के संयुक?त विकास पर फिर से बातचीत शुरू करने तथा परमाणु ऊर्जा पर सहयोग को बढ़ाने पर भी बातचीत होगी है। उन्होंने बताया कि दोनों ही देश फिर से रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं जो पेमेंट में दिक्कत और भारत के पश्चिमी प्रतिबंधों के डर की वजह से यह रुक गया था। अब रूस और भारत के बीच पेमेंट का विवाद खत्म हो गया है।

सूत्र बताते हैं कि भारत का पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए फिर से बातचीत शुरू करना कई कारणों से एक तर्कपूर्ण फैसला है। इस पांचवीं पीढ़ी के नए फाइटर जेट को सुखोई 57 के आधार पर ही बनाया जाना है। वहीं भारतीय वायुसेना दो सीटों वाले फाइटर जेट को चाहती थी। इस कारण भारत ने खुद को सुखोई-57 के प्रोग्राम से खुद को अलग कर लिया था। हालांकि बाद में इस खरीदने के विकल्प को भारत ने खुला रखा था। सूत्र ने कहा कि इसके बाद से रूस ने भारतीय वायुसेना की बताई हुई कमियों को दूर किया है और ऑपरेशनल टेस्टिंग की है। सुखोई 57 के ताजा वेरिएंट में दो इंजन है जो सुखाई को सुपरक्रूज क्षमता प्रदान करता है। भारत और रूस के बीच यह बातचीत तब शुरू हो सकती है जब चीन और पाकिस्तान दोनों ही रेडॉर की पकड़ में नहीं आने वाले फाइटर जेट को अपनी सेना में शामिल कर रहे हैं।

अमेरिका में नजर आया यूएफओ, जो उड़ नहीं सड़क पर दौड़ रहा था

सैन फ्रांसिस्को। एलियंस होते हैं या नहीं, इसे लेकर सालों से बहस छिड़ी हुई है। लेकिन आजतक कोई सबूत नहीं मिला और न ही किसी आधिकारिक रुप से एलियंस होने या न होने की पुष्टि की गई है। वहीं सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल होते हैं, जिसमें एलियंस होने का दावा किया जाता है। अमेरिका में एलियंस के दिखने या यूएफओ स्पॉट की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। एक बार फिर एक ऐसी ही घटना सामने आई है। अमेरिका के मिसौरी में एक घटना घटी उसने वहां मौजूद लोगों को हैरान में डाल दिया। यहां सड़क पर एक यूएफओ जैसी चीज़ दौड़ती हुई दिखाई दी। सड़क पर यूएफओ उड़ नहीं रहा बल्कि दौड़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये अजीबोगरीब नज़ारा अमेरिकन राज्य मिसौरी की क्रॉफोर्ड काउंटी में हुई, जिसे पुलिस अधिकारियों ने सार्वजनिक किया है। यहां रोज़वेल फेस्टिवल के लिए जा रहे लोगों के बीच कार की जगह एक ऐसा वाहन दिखा, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। ये यूएफओ की तरह था और उसके खुलने के लिए ऊपर की ओर ढक्कन भी था। पुलिस ने इसकी स्पीड की वजह से इसे रास्ते में ही रोक लिया, फिर यूएफओ जैसे इस वाहन से ड्राइवर के तौर पर एक इंसान निकला। पुलिस को ये समझते देर नहीं लगी कि ये ड्राइवर की क्रिएटिविटी है, जिसने कार को ही एक उड़न तश्तरी का लुक दे दिया है. फेसबुक पर ये घटना शेयर करते हुए पुलिस ने लिखा-'आप नहीं जान सकते हैं कि आपको क्रॉफोर्ड काउंटी में क्या मिल जाएगा। ये वास्तव में इस दुनिया से अलग की चीज़ है। उन्होंने कहा कि ये बेहद अजीब था लेकिन लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट दे गया। लोगों ने इस पोस्ट पर दिलचस्प रिएक्शन दिए और शख्स की खूब तारीफ की जिसने इस तरह की क्रिएटिविटी की है।

ट्रंप पर कौन से मामले में चलेगा केस... तय करेगी भारतीय मूल की न्यायाधीश

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति की छूट पर फैसला सुनाया है। भारतीय मूल की न्यायाधीश तान्या चुटकन को यह तय करने के लिए छोड़ दिया है कि 2020 के चुनाव में जो बाइडेन से अपनी हार को पलटने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के प्रयासों से जुड़े संघीय आपराधिक मामले में कितना आगे बढ़ सकते हैं। छुटकन को तय करना होगा कि ट्रंप के कौन से कार्य आधिकारिक थे और उन्हें मामले से बाहर रखा जाना चाहिए और कौन से निजी कार्य थे जिन पर मुकदमा चल सकता है। अदालत के फैसले में घोषित किया गया कि ट्रंप को राष्ट्रपति के रूप में अपने आधिकारिक कर्तव्यों के तहत कार्यों के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने से व्यापक सुरक्षा प्राप्त है।

वाशिंगटन में अमेरिकी जिला न्यायालय में न्यायाधीश तान्या छुटकन को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने नियुक्त किया था। उनके पिता, विंस्टन चुटकन, इंडो-जमैका वंश के एक डॉक्टर हैं, और उनकी माँ, नोएल, एक अफ्रो-जमैका हैं, जो जमैका की नेशनल डांस थिएटर कंपनी में एक प्रमुख नर्तक थीं। रिपोर्ट के अनुसार तान्या चुटकन के परदादा को गिरमिटिया मजदूर के रूप में भारत से जमैका ले जाया गया था और उनके पिता का जन्म एक चीनी बागान में हुआ था।

वाशिंगटन में अमेरिकी जिला अदालत के न्यायाधीश छुटकन को सौंपी गई अदालत को विशेष वकील जैक स्मिथ द्वारा लाए गए चार-गिनती आपराधिक अभियोग पर इस छूट को लागू करने के जटिल कार्य का सामना करना पड़ता है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव: बाइडेन ने माना वह ट्रम्प से बहस करते समय सो गए थे

- सर्वेक्षण : 45 फीसदी डेमोक्रेट चाहते हैं कि बाइडेन पद छोड़ दें

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर बहस का दौर जारी है जिसमें राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच बहस चल रही हैं। वहीं पिछले दिनों हुई एक को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने माना कि वह अपने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हुई बहस के दौरान सो गए थे और उनका कमज़ोर प्रदर्शन दुनिया भर में यात्रा करने और करीब 100 क्षेत्रों से गुज़रने के कारण जेट लैग के कारण हुआ था।

जो बाइडेन ने यह बात बहस में अपने खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट्स के दबाव के बीच कही है, साथ ही नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव के बाद सत्ता में वापस आने पर चार और साल तक पद पर बने रहने की उनकी संज्ञानात्मक क्षमता पर बढ़ते सवालों के बीच कही है। मंगलवार को मैकलीन, वर्जीनिया में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाइडेन ने कहा कि मेरी रात अच्छी नहीं रही। मैं बहुत होशियार नहीं था। मैंने बहस से पहले दुनिया भर में दो बार यात्रा करने का फैसला किया, जिसमें मैंने करीब 100 क्षेत्रों का दौरा किया। मैंने अपने स्टाफ की बात नहीं सुनी और वापस आकर मंच पर ही सो गया। यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन यह एक स्पष्टीकरण है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन ने जून में सिर्फ दो हफ्तों के अंतराल में फ्रांस और इटली की यात्रा की और फिर जी7 शिखर सम्मेलन से रातों-रात लॉस एंजिल्स के लिए उड़ान भरी, जहां वे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ एक कार्यक्रम में शामिल हुए। 27 जून की बहस से पहले, उन्होंने इस आयोजन की तैयारी के लिए वाशिंगटन डी.सी. के पास कैंप डेविड में छह दिन बिताए, जो अमेरिकी राष्ट्रपतियों के लिए देश का एकांतवास है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बाइडेन के खराब प्रदर्शन के लिए सर्दी को जिम्मेदार ठहराया है। बाइडेन जो पहले से ही सबसे उम्रदराज अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, लेकिन वह पांच नवंबर को चुनाव जीतते हैं तो अगले साल शपथ लेने तक वह 82 साल के हो जाएंगे।

एक सर्वेक्षण में यह भी बताया कि 78 वर्षीय ट्रम्प और बिडेन को पंजीकृत मतदाताओं के 40 फीसदी का समर्थन मिला है, जो यह दर्शाता है कि बहस के बाद से बाइडेन ने अपनी जमीन नहीं खोई है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 45 फीसदी डेमोक्रेट चाहते हैं कि बाइडेन पद छोड़ दें। प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक सांसद लॉयड डॉगेट पार्टी में पहले व्यक्ति बन गए जिन्होंने सार्वजनिक रूप से बाइडेन को पद छोड़ने के लिए कहा, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की बहस की पराजय उनकी कई उपलब्धियों का प्रभावी ढंग से बचाव करने में विफल रही।

अमेरिका में दिखेगी राम मंदिर की झलक, 18 फीट ऊंची झांकी तैयार, 1.50 लाख लोग होंगे शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। 18 अगस्त को न्यूयॉर्क में भारत दिवस परेड के दौरान अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क और उसके आसपास से हजारों भारतीय अमेरिकियों को आकर्षित करता है। यह पहला अवसर है जब राम मंदिर की प्रतिकृति संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) के महासचिव अमिताभ मित्तल के अनुसार, मंदिर की प्रतिकृति 18 फीट लंबी, नौ फीट चौड़ी और आठ फीट ऊंचाई होगी।

इस वर्ष 22 जनवरी को एक ऐतिहासिक क्षण में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पुजारियों के एक समूह के नेतृत्व में, अयोध्या में राम मंदिर में श्री राम लला की %प्राण प्रतिष्ठा% का वैदिक अनुष्ठान किया। भगवान राम की 500 वर्षों के बाद अपनी मातृभूमि में वापसी के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ऐतिहासिक मंदिर के उद्घाटन की अमेरिका सहित दुनिया भर में भारतीयों ने सराहना की।

न्यूयॉर्क में भारत दिवस परेड

1981 से हर 15 अगस्त को, भारतीय अमेरिकी एक परेड की मेजबानी करके भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। न्यूयॉर्क में वार्षिक भारत दिवस परेड भारत के बाहर भारत के स्वतंत्रता दिवस का सबसे बड़ा उत्सव है। आम तौर पर 150,000 से अधिक लोग वार्षिक परेड देखते हैं जो मिडटाउन न्यूयॉर्क में ईस्ट 38वीं स्ट्रीट से ईस्ट 27वीं स्ट्रीट तक चलती है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए) द्वारा आयोजित इस परेड में न्यूयॉर्क की सड़कों पर विभिन्न भारतीय अमेरिकी समुदायों और संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली कई झांकियां दिखाई देंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गरीबों के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीकरण किया.....लेकिन ये काम भी मेरी सरकार ने किया : पीएम मोदी

महिलाओं को लेकर विपक्ष का सेलेक्टिव रवैया चिंताजनक

नई दिल्ली । (एजेंसी)

संसद के उच्च सदन राज्यसभा में बुधवार को धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को गिनाया। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने और गरीबी के खिलाफ लड़ाई के लिए हैं। अगले पांच वर्षों में यह देश गरीबी के खिलाफ विजयी होकर निकलेगा। यह बात मैं अपने 10 साल के अनुभव के आधार पर कह रहा हूं। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा तब इसका असर जीवन के हर क्षेत्र और हर वर्ग पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र के आधार पर सभी नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करने की हिमायती रही है। दिव्यांग भाई-बहनों की कठिनाइयों को समझते हुए हमारी सरकार ने उनके लिए सम्मानजनक जीवन की दिशा में काम किया है। हमारे समाज में किसी न किसी कारण से एक उपेक्षित वर्ग ट्रांसजेंडर का है। हमारी सरकार ने ट्रांसजेंडर लोगों के लिए कानून बनाने का काम किया है। पश्चिम के लोग भी हैरान हैं कि भारत इतना प्रगतिशील है। पद्म पुरस्कारों में भी ट्रांसजेंडरों को मौका देने के लिए हमारी सरकार आगे आई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हमारी महिलाएं हर नए क्षेत्र का नेतृत्व करें। नई प्रौद्योगिकियां उभर रही हैं, लेकिन वे अक्सर महिलाओं के लिए देर से आती हैं। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं को नई तकनीक के साथ पहला मौका मिले। उन्होंने कहा कि मैं किसी राज्य के खिलाफ नहीं बोल रहा हूं। कुछ समय पहले मैंने पश्चिम बंगाल की कुछ तस्वीरें देखी। एक महिला को सरेआम सड़क पर पीटा जा रहा है, बहन चीख रही है। ये देश का दुर्भाग्य है कि जब संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति होती है। महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों के प्रति विपक्ष का ये सेलेक्टिव रवैया चिंताजनक है। पीएम मोदी ने कहा कि गरीबों के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ। लेकिन, मेरे रेहड़ी-पटरी वालों को कभी बैंक का दरवाजा देखने की हिम्मत नहीं हुई। देश में पहली बार पीएम सम्मान निधि योजना के तहत रेहड़ी-पटरी वालों के लिए चिंता दिखाई गई है। आज

ब्याज की बेड़ियों से बाहर निकलकर रेहड़ी-पटरी वाले जो फुटपाथ पर बैठते थे, वे मेहनत और ईमानदारी की बदौलत बैंकों से लोन लेकर दुकान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

दिल खोलकर खर्च कर रहे लोग.....हम नहीं आरबीआई कह रहा

मुंबई । (एजेंसी)

इनदिनों लोग देश में खुल कर खर्च कर रहे हैं। तभी बीते तीन साल में क्रेडिट कार्ड का खर्च तीन गुना बढ़कर 18 लाख रुपये से भी ऊपर चला गया है।देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग कितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसका अंदाजा रिजर्व बैंक के आंकड़ों से लगाता है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन वर्षों के दौरान क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन तीन गुना बढ़ा है। यह मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 18.31 लाख करोड़ रुपये हो गया।

यह तीन साल पहले, मार्च 2021 में, 6.30 लाख करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड से उत्पन्न समस्याओं से बाहर आ गई है। इस समय उपभोक्ताओं के विश्वास में लगातार वृद्धि हो रही है।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के दौरान क्रेडिट कार्ड लेनदेन का मूल्य 6.30 लाख करोड़ रुपये था। यह मार्च 2022 में बढ़कर 9.71 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2023 तक 14.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। अब यह 18 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया है। वर्तमान में कार्ड यूजर्स का मासिक खर्च 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

आरबीआई के आंकड़ों से साफ होता है कि बैंकों द्वारा जारी किए गए क्रेडिट कार्ड की संख्या भी मार्च 2024 तक तेजी से बढ़कर 10.18 करोड़ हो गई है। एक साल पहले यानी मार्च 2023 में यह संख्या 8.53 करोड़ और मार्च 2022 में 7.36 करोड़ और मार्च 2021 में 6.20 करोड़ थी। जिस तरह से लोग क्रेडिट कार्ड से खर्च खूब कर रहे हैं, उसी तरह उनका बकाया भी बढ़ रहा है। मई 2024 तक क्रेडिट कार्ड का बकाया 2,67,979 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि 2022 में यह 1,61,512 करोड़ रुपये था।

देश के बैंकिंग सेक्टर में सबसे आगे स्टेट बैंक है। लेकिन क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में निजी बैंकों का दबदबा है। एचडीएफसी बैंक 2.11 करोड़ क्रेडिट कार्ड के साथ शीर्ष कार्ड जारीकर्ता है। भारतीय स्टेट बैंक का नंबर इसके बाद ही है।

इस बैंक ने अब तक 1.91 करोड़ कार्ड जारी किए हैं। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक 1.7 करोड़ कार्ड और एक्सिस बैंक के 1.43 करोड़ कार्ड हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक ने मई 2024 के महीने में 16,251 करोड़ रुपये के पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) ट्रांजेक्शन और 25,155 करोड़ रुपये के ई-कॉमर्स कार्ड यूज की सूचना दी है।

मासूम से दुष्कर्म व हत्या का आरोपी बरी, पॉक्सो कोर्ट ने दी थी फांसी की सजा

-तीन चार लोगों के बच्ची को साथ ले जाते दिखने से आरोप सिद्ध नहीं होता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने छह साल की मासूम से दुष्कर्म और हत्या के एक मामले में आरोपी को बरी कर दिया है। आरोपी को पॉक्सो कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ अपराध में शामिल होने के सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ अंतिम बार ओरोपी और मृतका का एक साथ देखा जाना दोष सिद्ध करने के लिए सही सबूत नहीं है। यह वारदात साहिबगंज जिले के राजमहल में चार मार्च, 2015 को हुई थी। छह साल की मासूम का शव शिमला बहाल पोखर मैदान के पास मिला था। उसके कपड़े अस्त-व्यस्त थे और गले में चोट के निशान भी थे।

परिजनों की शिकायत पर इस मामले में राहत शेख नामक व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर के मुताबिक राहत उस दिन शाम पांच 5 बजे बच्ची को अपने कंधे पर बैठाकर मैदान की तरफ ले जाता दिखा था। परिजनों ने उसपर मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या का संदेह जताया था। राजमहल के पोक्सो की विशेष अदालत ने इस मामले में ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष के अनुसंधानकर्ता पुलिस अफसर सहित 12 गवाहों का परीक्षण कराया था। कुछ गवाहों ने कहा था कि उन्होंने राहत को बच्ची को साथ लेकर मैदान की तरफ जाते देखा था।

ट्रायल पूरा होने के बाद पॉक्सो कोर्ट ने राहत को एक दिसंबर 2022 को दोषी करार दिया और और 12 दिसंबर 2022 को उसे फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने आरोपी की फांसी की सजा कन्फर्म करने हाईकोर्ट में अपील की थी, तो दूसरी तरफ राहत ने भी पॉक्सो कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। अब हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि तीन-चार लोगों ने आरोपी को उस बच्ची को ले जाते देखा, लेकिन सिर्फ इस आधार पर उसे दोषी नहीं माना जा सकता है। जांच में घटना का समय और मृतका की लाश के मिलने के समय का उल्लेख नहीं है। आरोपी और मृतका के परिवार के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध थे। उनसे कोई दुश्मनी नहीं थी। वह प्रतिदिन बच्ची को घुमाने ले जाता था और उसके पास बच्ची की हत्या का कोई मकसद भी नहीं था। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने आरोपी को बरी कर दिया।

रेगुलर बेल पर बाहर आए हेमंत सोरेन.... गठबंधन की बैठक जारी

रांची । (एजेंसी)

झारखंड के सत्तारूढ़ गठबंधन में फिर हलचल है। पूर्व सीएम और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के आवास पर गठबंधन के विधायकों की बैठक शुरू हो गई है। झारखंड में गठबंधन सरकार में शामिल कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर भी पहुंचने वाले हैं। बताया जा रहा है कि बैठक में अहम फैसले लिए जा सकते हैं। इस बीच सीएम चंपई सोरेन के पूर्वनिर्धारित सभी कार्यक्रम स्थगित किए गए हैं। हालांकि बताया गया कि बारिश की वजह से सीएम इन कार्यक्रमों में शिरकत नहीं कर सके। दरअसल, 28 जून को सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से रेगुलर बेल मिलने के बाद से ही राज्य में राजनीतिक परिस्थितियां अचानक से बदलती दिख रही हैं। यह तय है कि अगले तीन से चार महीने में होने वाले विधानसभा चुनाव में गठबंधन की अगुवाई हेमंत सोरेन ही करने वाले है। बैठक में सीएम के तौर पर सोरेन को वापस लाने या उनकी पत्नी कल्पना सोरेन का नाम गठबंधन सरकार का नया नेता बनाने का प्रस्ताव लाया जा सकता है। यह भी हो सकता है कि तत्काल ऐसा निर्णय लिए जाने के बजाय गठबंधन के सभी विधायकों से हस्ताक्षर लेकर किसी भी 'बड़े फैसले' के लिए सोरेन को अधिकृत किया जाए। ऐसा होने से झारखंड सरकार का 'निर्णायक बटन' हेमंत सोरेन के पास होगा।

महाराष्ट्र में जीका वायरस के मामले.....देश भर में अलर्ट

मुंबई । (एजेंसी)

महाराष्ट्र में जीका वायरस के मामले सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को एक एडवाइजरी जारी की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे गर्भवती महिलाओं में संक्रमण की जांच करके और जीका के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाली गर्भवती मांओ के भ्रूण के विकास की निगरानी करके निरंतर निगरानी बनाए रखें। स्वास्थ्य सुविधाओं/अस्पतालों के परिसर को एडीज मच्छर मुक्त रखने के लिए निगरानी करने और कार्रवाई करने के लिए एक नोडल अधिकारी की पहचान की जाएगी। एडवाइजरी के मुताबिक राज्य आवासीय क्षेत्रों, कार्यस्थलों, स्कूलों, निर्माण स्थलों, संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं में कीटविज्ञान निगरानी को मजबूत करे। इससे पहले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के निदेशक डॉ. नवीन कुमार ने नागरिकों से जीका के मामलों से नहीं घबराने पर जोर दिया है। डॉ. कुमार ने कहा, हमें देश भर से 106 नमूने प्राप्त हुए हैं और अब तक पुणे में छह में जीका वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई

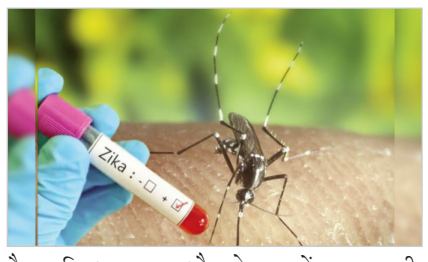

है, जबकि अहमदनगर और कोल्हापुर में एक-एक की पहचान की गई है। एनआईवी में डायग्नोस्टिक वायरोलॉजी समूह के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. गजानन सपकाल ने कहा कि हमारे पास वायरल जीनोम और जीका वायरस एंटीबॉडी का परीक्षण करने की क्षमता है। अब तक दो नमूनों को अनुक्रमित किया जा चुका है। वर्तमान में पुणे में जीका वायरस एशियाई वंश का है। जीका वायरस एक वेक्टर-जनित फ्लेविवायरस है जो संक्रमित एडीज मच्छरों-मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी और एडीज एल्बोपिक्टस के काटने से फैलता है। यह बीमारी एक हल्की, स्व-सीमित बीमारी है जो बुखार, दाने और जोड़ों के दर्द के साथ होती है।

भोले बाबा को कई सफेदपोश नेताओं का संरक्षण मिला है: मौनी महाराज

-बाबा के साथ ही अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी हो सख्ती कार्रवाई

प्रयागराज। (एजेंसी)

हाथरस में भोले बाबा उर्फ सूरलपाल के सत्संग में हुई भगदड़ में हुई मौतों पर संत परमहंस आश्रम अमेठी के पीठाधीश्वर अभय चैतन्य ब्रह्मचारी मौनी महाराज ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इस घटना में सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान चली गई। मौनी महाराज ने इस हादसे की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना फिर न हो सके।

मौनी महाराज ने भोले बाबा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि भोले बाबा को कई सफेदपोश नेताओं का संरक्षण मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि भोले बाबा की भी जांच होनी चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मौनी महाराज के मुताबिक भोले बाबा यौन शोषण के आरोप में बर्खास्त होने के बाद उसने अपना नाम और पहचान बदलकर साकार नारायण हरि रख लिया। उसके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। मौनी महाराज ने कहा कि भोले बाबा ने समाज के गरीब तपके के लोगों को गुमराह कर समाज को बांटने का काम किया है। वह लोगों के बीच प्रवचन करने लगा उनके सेवकों ने भोले बाबा को शिव और पार्वती के रूप में प्रचारित कर दिया। ऐसा प्रचार किया कि उनके पास जाने से लोगों के सभी दुख दर्द दूर हो जाएंगे। बाबा के सत्संग में अंदर वीडियो और फोटो बनाने की भी मनाही थी। मौनी महाराज ने आरोप लगाया है कि भोले बाबा को ऐसे नेताओं का संरक्षण प्राप्त था जो कि हिंदू धर्म के खिलाफ काम करते हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे ही ढोंगी बाबाओं के चलते सनातन धर्म को नीचा देखना पड़ता है और साधु संत गालियां खाते हैं। मौनी महाराज ने भोले बाबा के आपराधिक मामलों की भी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि भोले बाबा के साथ ही अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई कर उन्हें जेल में डालना चाहिए।

देश में गरीबी घटी, 21 फीसदी से घटकर 8.5 फीसदी रह गई

-सर्वे में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी अनुपात में आई तेजी से गिरावट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत में गरीबी तेजी से घट रही है और इससे आंकड़ों में बड़ी गिरावट आई है। एक नए सर्वे के मुताबिक 2011-12 से लेकर अब तक गरीबी 21फीसदी से घटकर 8.5फीसदी रह गई है। इस सर्वे में यह भी बताया है कि पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी में कमी आई है लेकिन ऐसे लोगों अनुपात ज्यादा है जो जीवन में किसी त्रासदी के कारण वापस गरीबी में जा सकते हैं। इस सर्वे में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी अनुपात में तेजी से गिरावट आई है और यह 2011-12 में 24.8 फीसदी से घटकर अब 8.6फीसदी हो गई है। वहीं, शहरी क्षेत्रों में गरीबी 13.4 फीसदी से घटकर 8.4 फीसदी पर आ गई है। यह अनुमान एसबीआई रिसर्च से ज्यादा है, जिसने ग्रामीण गरीबी 7.2फीसदी और शहरी गरीबी 4.6फीसदी की कमी का अनुमान लगाया था। मार्च महीने में आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन और अर्थशास्त्री एस महेंद्र देव ने एचसीईएस के आधार पर अनुमान लगाया था कि 2011-12 की तुलना में 2022-23 में भारत की गरीबी दर घटकर 10.8फीसदी हो जाएगी। भारत मानव विकास सर्वेक्षण के शुरुआती निष्कर्षों के आधार पर हाल ही में तेंदुलकर समिति द्वारा महंगाई-समायोजित गरीबी रेखा का उपयोग करके गरीबी के कुल अनुपात का अनुमान लगाया। इस डाटा का इस्तेमाल सरकार अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं को बनाने और उन्हें बेहतर तरीके से लागू

करने के लिए करती है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने लेटेस्ट घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण का हवाला देते हुए दावा किया कि देश में गरीबी पांच फीसदी से नीचे आ गई है। अगस्त 2022 और जुलाई 2023 के दौरान किए सर्वे से पता चला है कि सरकार द्वारा लागू गरीबी उन्मूलन उपाय कारगर साबित हो रहे हैं।

पांच महीने से बंद है शंभू बार्डर, अब बारिश बढ़ाएगी लोगों की परेशानी

-व्यापारियों ने हाल ही में धरनास्थल पर जाकर जताया था विरोध

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में किसान आंदोलन के चलते पांच महीने से दिल्ली-अमृतसर हाइवे बंद है। हरियाणा-पंजाब की सीमा को अलग-अलग करने वाली घग्गर नदी के एक किनारे पर किसान तो दूसरे पर पैरा मिलिट्री फोर्स मोर्चा संभाले हुए है। ऐसे में शंभू बॉर्डर पर यह रास्ता आमजन के लिए पूरी तरह से बंद है। रोजमर्रा के कामों और नौकरी पर आने-जाने वाले लोगों को घग्गर नदी के किनारे बने कच्चे रास्तों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। लेकिन अब ये रास्ते भी बंद होने वाले हैं। दरअसल, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल में मानसून आ चुका है और बारिश जारी है। बारिश के चलते घग्गर नदी में पानी बढ़ेगा। पुल और आसपास के कच्चे रास्ते बंद हो जाएंगे। अब लोगों को भय सता रहा है कि अगर घग्गर नदी में पानी आया तो नौकरी के लिए कैसे जाएंगे। हरियाणा से पंजाब जाने के लिए यूं तो कई हाइवे भी हैं लेकिन अंबाला और शम्भू के नजदीकी गांव और आसपास के इलाकों से दोनों तरफ आने-जाने के लिए लोग कच्चे रास्तों का इस्तेमाल करते हैं। यदि दूसरे रास्ते से लोग जाएंगे तो उन्हें 40 से 50 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। एसपी अंबाला सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि इस मामले का हल निकाला जाएगा। गौरतलब है कि किसान और सरकार की खींचतान में आम जनता परेशान हो रही है। किसान आंदोलन का असर अंबाला के बाजारों पर पड़ रहा है और बाजार पूरी तरह प्रभावित है। व्यापारियों ने हाल ही में धरनास्थल पर जाकर विरोध भी जताया था। बुधवार सुबह अंबाला के कई बाजार विरोध में बंद रहे। व्यापारियों ने मांग की है कि शम्भू बार्डर को खोला जाए क्योंकि उनके व्यापार पर असर पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जब.....पटना जंक्शन पर टल गया बड़ा ट्रेन हादसा

पटना । पटना जंक्शन के पास तब एक बड़ा रेल हादसा टल गया जब पूर्णिया से हटिया जा रही पूर्णिया-हटिया एक्सप्रेस की दो बोगियों के बीच का कपलिंग टूट गया। ट्रेन अचानक तेज झटके के साथ रुक गई, इससे यात्री घबरा गए और जल्दी से ट्रेन से उतरकर पटरी पर आ गए। पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। यदि ट्रेन तेज गति से चलती तब गंभीर हादसा हो सकता था। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रेन एक घंटे से अधिक समय से प्लेटफॉर्म नंबर 10 के बाहरी क्षेत्र में खड़ी है, जबकि एक तकनीकी टीम और अधिकारी दबाव पाइप और अन्य तकनीकी समस्याओं को ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। तकनीकी टीम बोगी को ठीक करने के लिए तेजी से काम कर रही है। जानकारी के मुताबिक दोपहर 1 बजे तक ट्रेन पटना जंक्शन पर ही खड़ी रही। इस घटना की वजह से पटना जंक्शन होकर आने-जाने वाली कई ट्रेनों का आवागमन भी प्रभावित हुआ। श्रमजीवी एक्सप्रेस, सहरसा राज्यरानी एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी कई ट्रेनों को पटना पहुंचने में देरी हुई। वहीं पटना जंक्शन से खुलने वाली कई ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से विलंब से खुली। इस वजह से हजारों यात्रियों को जहां -तहां परेशान होना पड़ा।

भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू हुआ बंद

नई दिल्ली । भारत में बने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू बुधवार से बंद हो गया है। कंपनी के फाउंडर अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने कंपनी को बंद किया। अप्रमेय और मयंक ने कंपनी को बंद करने का ऐलान कर कहा कि उस महत्वाकांक्षी वेंचर को समाप्त करना पड़ रहा है जिसका उद्देश्य ग्लोबल सोशल मीडिया स्पेस में जगह बनाना था। फाउंडर्स ने बताया कि तकनीक को लेकर लगने वाली लागत और अन्य कंपनियों के साथ पार्टनरशिप जैसे मुद्दों पर बात नहीं बन पाई, जिसकी वजह से कू को बंद करना पड़ रहा है। फाउंडर्स ने कू की कुछ संपत्ति को बेचने का इरादा भी जताया है। को-फाउंडर्स ने कहा, यह बहुत कठिन और जटिल टेक्नोलॉजी है और हमने रिकॉर्ड समय में बड़ी मेहनत से बनाया है। गौरतलब है कि साल 2023 में टाइगर ग्लोबल द्वारा समर्थित कू ने फंडिंग की कमी के कारण 30 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी कर दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कू की बातचीत न्यूज कंटेंट एग्रीगेटर डेलीहंट के साथ चल रही थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। कू के को-फाउंडर ने कहा कई बड़ी इंटरनेट कंपनियों, समूहों और मीडिया घरानों के साथ साझेदारी की कोशिश की, लेकिन बातचीत से वह परिणाम नहीं निकला जो हम चाहते थे। उनमें से ज्यादातर यूजर जनरेटेड कंटेंट और एक सोशल मीडिया कंपनी के नेचर से निपटना नहीं चाहते थे।' बता दें कि कू का बिजनेस बेहतर ढंग से चल रहा था, तब इसके पास 21 लाख डेली यूजर्स और 1 करोड़ मंथली यूजर्स थे। कू को यूज करने वाले लोगों में 9,000 करीब वीआईपी लोग थे।

लद्दाख में आया 4.4 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली । लद्दाख में बुधवार को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण जान-माल का नुकसान होने की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सुबह आठ बजकर 12 बजे मिनट पर आया और इसका केंद्र 15 किलोमीटर की गहराई में था।

आप एनआईए.....कृपया न्याय का मजाक न बनाए

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार

नई दिल्ली । त्वरित सुनवाई का संवैधानिक अधिकार कथित अपराध की गंभीरता पर निर्भर नहीं हो सकता है, सुप्रीम कोर्ट ने जाली मुद्रा मामले में मुकदमा चलाने में देरी के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को कड़ी फटकार लगा दी है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने जोरदार टिप्पणी करते हुए कहा कि आप एनआईए हैं। कृपया न्याय का मजाक न बनाएं। चार साल हो गये, और मुकदमा शुरू नहीं हुआ। ऐसा नहीं किया गया। आरोपी ने जो भी अपराध किया है, उस आरोपी को त्वरित सुनवाई का अधिकार है। आदेश में कहा गया कि चाहे कितना भी गंभीर अपराध क्यों न हो, आरोपी को त्वरित सुनवाई का अधिकार है, जैसा कि भारत के संविधान के तहत निहित है। हम आश्वस्त हैं कि जिस तरह से अदालत और अभियोजन एजेंसी इस मामले में आगे बढ़ी है, उससे त्वरित सुनवाई का अधिकार कुंठित हो गया है, जिससे अनुच्छेद 21 का उल्लंघन हुआ है। अदालत फरवरी 2024 के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें जावेद गुलाम नबी शेख को जमानत देने से इंकार किया था। उन्हें 2020 में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जिससे कथित तौर पर पाकिस्तान से आए नकली नोटों की बरामदगी हुई थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

४.५५ करोड़ के असली हीरे सीवीडी हीरे से बदले, मुख्य आरोपी अब भी पकड़ से बाहर

करोड़ों रुपए के हीरे बेचने से पहले आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

४.५५ करोड़ के असली हीरे सीवीडी हीरे से बदले, कारोबारी यह कहकर मोबाइल फोन बंद कर भागा कि वह तिजोरी से पेमेंट लेकर आ रहा है। इस मामले में सूरत महिधरपुरा पुलिस ने सभी असली हीरे बरामद कर लिए हैं और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. हालांकि, इस चैप्टर का मास्टर माइंड व्यापारी अभी भी फरार है. इससे पहले कि आरोपी असली हीरा किसी को बेच पाता, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और हीरा जब्त कर लिया.

महिधरपुरा थाने में ४.५५ करोड़ के हीरों की अदला-बदली को लेकर धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की गई है . व्यापारी ने हीराबाजार एलबी चार रोड के पास एक केबिन रखा और हीरा खरीदने के बहाने हीरा व्यापारी को अपने कार्यालय में बुलाया। रुकना भारी पड़ गया तो पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

१०.८० कैरेट डी कलर वीवीएस दो शुद्धता वाले हीरे एसडी जैन स्कूल के वेस्टर्न रेजीडेंसी में रहने वाले व्यापारी वेसु शाह ने महिधरपुरा हीरा बाजार एलबी के पास देवनिरंज की बिल्डिंग में केबिन रखने वाले हितेश मनज पुरोहित और ईश्वर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें उन्होंने कहा कि खोडल जेम्स के मालिक योगेश काकलोतर ने १०.८० कैरेट वजन, डी रंग, वीवीएस दो शुद्धता, जीआईटी ग्रेडिंग वाला जीआईए प्रमाणित हीरा रैपनेट सैध पर बिक्री के लिए रखा था। इस हीरे को खरीदने के लिए आरोपी हितेश पुरोहित ने एक दलाल के माध्यम से संपर्क किया.

अगले दिन पेमेंट देने की बात हुई तो ८ जून को चिरागभाई के बेटे अक्षत ने असली मालिक योगेशभाई से हीरो जगंदपर हीरो लिया और हितेश पुरोहित को उनके ऑफिस में दिखाया। जब हितेश ने अगले दिन पेमेंट देने की बात की तो अक्षत ने मना कर दिया और हीरो को उसके असली मालिक को लौटा दिया. हालांकि, २५ तारीख को जब ब्रोकर ने दोबारा फोन किया तो हितेश बिना क्षतिग्रस्त हीरे को बेचने के लिए पुरोहित के कार्यालय में गया।

आरोपी हितेश पुरोहित ने हीरो को मेज पर बिठाया,भवताल के बारे में बात की, सीवीडी जांच कराई, हीरो और सर्टिफिकेट मांगा और कई बार हीरो को अपने हाथ में रखा। हितेश ने अक्षत से निशानी के तौर पर १० लाख रुपये देने को कहा और हीरो को टेबल पर बिठा दिया और तिजोरी से पैसे निकालने की बात कहकर ऑफिस से निकल गया. जब अक्षत ने मेज पर रखा हीरा देखा तो हीरो बदल गया। अक्षत उस हीरो को यह दिखाने के लिए लाया कि वह एक सीवीडी हीरो था और हीरे के दिल में ग्रेडिंग नंबर भी अलग तरीके से लिखा गया था। आरोपी हितेश पुरोहित ने बातचीत के दौरान नजरें झुका लीं और ४.५५ करोड़ रुपये का हीरा लेकर भाग गया और उसकी जगह सीवीडी हीरा रख दिया. वहीं जब अक्साते फोन कर रहा था तो उसका मोबाइल भी बंद था.

पुलिस ने चिरागभाई शाह की शिकायत पर हितेश पुरोहित और ईश्वर नाम के शख्स के खिलाफ ४.५५ करोड़ के हीरे की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है.

इस मामले में डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि दलपत के घर से हीरे मिले हैं,

शिकायत दर्ज होने के बाद आज पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर पालनपुर, मुंबई और राजस्थान के अन्य स्थानों पर जांच की. आरोपी हितेश के साथ दलपत पुरोहित सहित अन्य आरोपी ईश्वर पुरोहित, कमलेश पुरोहित और सुरेश पुरोहित शामिल थे. ये सभी लोग हीरे बेचना चाहते थे. जिसके लिए हितेश ने दलपत पुरोहित को हीरो दिया। पुलिस ने मूड राजस्थान के मूल निवासी दलपत पुरोहित को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी एक ही जिले के मूल निवासी हैं.

उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी की तलाश जारी है , १०० फीसदी हीरे बरामद कर लिये गये हैं. हीरा दलपत के घर से बरामद किया गया था। इस हीरे की पुष्टि भी हो चुकी है. पुलिस ने आज इन लोगों को हीरे बेचने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया है, हालांकि मुख्य आरोपी के बारे में पूछताछ अभी भी जारी है.

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में शादीशुदा प्रेमिका के पति ने भाई के साथ मिलकर मुझे पीट-पीटकर मार डाला, फोन पर बात करते वक्तहुआ था शक

सूरत के रुदरपुरा कुबेरदास वाडी के पास रहने वाले १९ साल के युवक की रविवार रात पौने बारह बजे उसके घर के पास शादीशुदा प्रेमिका के पति ने अपने भाई के साथ मिलकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक युवक शादीशुदा युवक से प्यार करता था. जब यह बात उसके पति को पता चली तो उसने अपने भाई के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी।

जानकारी के मुताबिक, १९ वर्षीय दीपेश संजय राठौड़ अपने परिवार के साथ रुदरपुरा स्थित कुबेरदासानी वाडी में रहता था । दीपेश नानपुरा स्थित एक सर्विस स्टेशन में कार्यरत था। आज सुबह दीपेश के परिजन उसे जगाने गये. हालांकि, वह नहीं उठे, जिसके बाद आठवीं लाइन्स ने पुलिस से संपर्क किया।

फोरेंसिक पोस्टमार्टम किया गया और पुलिस मौके पर गई और दीपेश की छाती, पेट और पीठ पर चोट के निशान पाए गए। इसलिए दीपेश के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सूरत सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां फोरेंसिक पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें खुलासा हुआ कि दीपेश की मौत किसी कुंद वस्तु से हुई है.

दीपेश ने गाय को पीट-पीटकर मार डाला दीपेश संजय राठौड़ का रुदरपुरा कुबेरदास के वाडी नवो खड़ी रोड पर रहने वाले हर्षद कहार की पत्नी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसके पति हर्षद कहार ने उसके भाई धर्मेश कहार को सूचना दी. बाद में दोनों ने मिलकर १ जुलाई की रात साढ़े ग्यारह बजे रुदरपुरा कुबेरदास वाडी के पास गाय को पटक-पटक कर दीपेश की हत्या कर दी.

धर्मेश कहार को गिरफ्तार कर घटना के संबंध में आगे की कार्रवाई करते हुए कल मृतक दीपेश के भाई मनीष संजय राठौड़ (निवास भतार ताकेश्वरनगर डिवीजन-२ महादेव मोहोल्ला) ने शिकायत दर्ज करायी. इस बीच पुलिस ने हर्षद कहार और उसके भाई धर्मेश कहार को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

सूरत क्राइम ब्रांच ने १३ लाख से अधिक कीमत की एमडी ड्रग्स के साथ ४ आरोपियों को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर से एक बार फिर एमडी ड्रग्स जब्त की गई है. सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर कुल ४ आरोपियों को पकड़ा है. पुलिस ने १३ लाख से ज्यादा कीमत की मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है और इस मामले में अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में ३ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है.

७,३९० ग्राम एमडी मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की गई जानकारी के मुताबिक, सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने रांदेर ऋभ चार रोड से अडाजण पाटिया जाने वाले इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास निगरानी रखी और आरोपी अफसर अली सैयद को सार्वजनिक सड़क से पकड़ लिया. २ जुलाई २०२४. पुलिस ने उसके पास से २,५३,७०० रुपये कीमत की २५,३७० ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की. इसके अलावा पुलिस ने रैंडर गोराट कॉजवे रोड एसएमसी क्वार्टर स्थित उनके आवासीय घर पर भी छापेमारी की, जहां से पुलिस ने मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद किया. पुलिस ने उसके घर से ७३,९०० रुपये कीमत की ७,३९० ग्राम एमडी मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की. इस प्रकार, पुलिस को ३,२७,६०० रुपये मूल्य की ३२,७६० ग्राम मेफेड्रोन दवाएं मिलीं और कुल ३,८६,५०० रुपये जब्त किए गए।

कुछ ही घंटों में आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो पता चला कि वह नानपुरा कदरशा के पास रहने वाले अयान से ड्रग्स की खेप लाया था, इसलिए पुलिस ने उसे वांछित घोषित कर दिया और रांदेर पुलिस में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। स्टेशन। इसी बीच आरोपी अयान खान अयूब खान पठान को सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने कुछ ही घंटों में नानपुरा कदरशा नाला के पास नवनिर्मित मेट्रो स्टेशन के पास से लोगों के बीच से पकड़ लिया.

कटर से कटी मिली युवती की लाश, किसी ने गला घोंटकर की हत्या और शव को कपड़े, रेत, सीमेंट से भरकर फेंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में एकलरा-भनोदरा रोड पर सुनसान जगह पर एक संदिग्ध ड्रम मिला. किसी शव की आशंका पर पुलिस भारी ड्रम लेकर सिविल अस्पताल पहुंची। बच्ची का शव उस स्थान पर मिला, जहां रात में सीमेंट से भरे ड्रम को कटर से काटा जा रहा था। गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को प्लास्टिक के ड्रम में कपड़ा, रेत-सीमेंट भरकर फेंक दिया गया था। फिलहाल इस मामले में आगे की जांच भेस्तान पुलिस ने की है.

पुलिस को शव पैर जैसा दिखने पर संदेह हुआ , जानकारी के मुताबिक कल अकलारा-भनोदरा रोड पर सुनसान जगह पर सीमेंट से भरा एक संदिग्ध ड्रम मिला था. भेस्तान पुलिस सीमेंट से भरा ड्रम लेकर सिविल अस्पताल पहुंची। भारी ड्रम थोड़ा खुला था और पुलिस को इसमें पैर जैसी लाश होने का संदेह था। जिससे सिविल डॉक्टर भी हैरान रह गये. इस ड्रम को पीएम रूम में रखा गया था. पांच फीट के इस ड्रम को तोड़ने के लिए एकता ट्रस्ट टीम की मदद ली गई. उधर, एफएसएल की टीम भी सविनय दौड़ी.

पुलिस-डॉक्टर सभी रह गये अवाक काफी मशक्कत के बाद जैसे ही ड्रम को कटर से तोड़ना शुरू किया तो पुलिस-डॉक्टर सहित सभी लोग अवाक रह गये. ड्रम तोड़ने पर बच्ची का शव निकला. बच्ची का शव ड्रम में उल्टा रखा हुआ था. लड़की का शव एक निर्माण स्थल पर प्लास्टिक के पानी के ड्रम में मिला था। ड्रम के अंदर की तरफ लड़की का सिर और बाहरी तरफ पैर थे। ड्रम में शव के अलावा कपड़े, रेत और सीमेंट के ढेर भी भरे हुए थे।

ड्रम का वजन करीब २०० से २५० किलोग्राम था . शव को छुपाने के लिए रेत और सीमेंट इस हद तक भर दिया गया था कि ड्रम का वजन २०० से २५० किलोग्राम हो गया. पुलिस के लिए चुनौती थी कि इतने भारी ड्रम को कैसे ले जाया जाए. अंततः टैंपो में भरे ड्रम को सिविल अस्पताल लाया गया।

सीसीटीवी फुटेज हासिल करने के लिए दौड़ रही

युवती की हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने में हत्यारों ने जो चाल चली, उसे देखकर पुलिस-डॉक्टर भी भ्रमित हो गए। देर रात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सिविल पहुंचे। भेस्तान पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उस इलाके के सीसीटीवी फुटेज हासिल करने में जुट गई है जहां शव मिला था। यह भी पता चला है कि पुलिस ने स्थानीय लोगों से बयान लेने की कवायद भी की है.

मृतक लड़की की उम्र ३० साल आंकी जा रही है. पुलिस और डॉक्टरों का अनुमान है कि बच्ची की गला दबाकर हत्या की गई है. संभव है कि बच्ची की हत्या २-३ दिन पहले की गई हो. शव बेहद सड़ी-गली हालत में है और सिर पर बाल भी नहीं बचे हैं. आज सिविल में शव का फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया जाएगा, जिसमें बताया गया है कि हत्या कैसे हुई? जब यह हुआ? यह स्पष्ट हो जायेगा.

कंपनी के एक कर्मचारी ने देखा था ड्रम एसीपी एन.पी. गोहिल ने बताया कि टाटा पेट्रो केमिकल कंपनी का एक कर्मचारी वहां से गुजर रहा था तभी उसने नीले बैरल में एक शव पड़ा हुआ देखा. यह बैरल वहीं गिरा जहां पानी भरा हुआ था. इसी दौरान गश्त पर निकली पुलिस भी वहां से निकल गयी. इसलिए इस कर्मचारी ने पुलिस को रोका और बताया कि प्लास्टिक बैरल में एक शव है. शव बाहर न आ सके, इसके लिए कंक्रीट के बैरल में सीमेंट भर दिया गया था। इसलिए पूरा पाइप नए सिविल अस्पताल ले जाया गया। कटर से पाइप काटने के दौरान अंदर एक महिला का शव मिला. महिला ने बैंगनी रंग की टी-शर्ट और काले रंग की लेगिंग्स पहनी हुई है. बताया जा रहा है कि शव को करीब एक-दो दिन पहले ही बैरल में भरा गया था

वेसू में एक युवक की बरसाती पानी के गड्ढे में गिरने से मौत हो गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में तीन अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें सचिन इलाके में एक १६ साल के लड़के ने जाल खाकर आत्महत्या कर ली. ३२ वर्षीय एक युवक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई, जबकि वेसू इलाके में एक निर्माण स्थल पर बारिश के पानी के गड्ढे में गिरने से एक युवक डूब गया।

जानकारी के मुताबिक, मूल रूप से यूपी के प्रतापगढ़ निवासी और वर्तमान में सचिन जीआईडीसी हनुभाई चल शांतिवन में रहने वाला १६ वर्षीय प्रेमचंद यादव सचिन स्थित डायमंड नगरी में एक कढ़ाई फैक्ट्री में काम करता था । प्रेमचंद ८ महीने पहले कारोबार के लिए सूरत आए थे और फिर उन्होंने सचिन की एक कढ़ाई फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया। वह दो-तीन दिन से तनाव में था।

कल रात करीब १२:३० बजे प्रेमचंद के चाचा का लड़का कमरे में पहुंचा तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था और प्रेमचंद अपने घर में फंसे हुए हालत में थे। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई तो पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस संबंध में प्रेमचंद के चचेरे भाई ने बताया कि प्रेमचंद पिछले दो-तीन दिनों से तनाव में थे. कुछ समय पहले प्रेमचंद का एक दोस्त एक लड़की को भगा ले गया था और प्रेमचंद के बीच समझौता क्या हुआ, तब प्रेमचंद से पैसे की मांग की जा रही थी। इसलिए, प्रेमचंद पिछले दो-तीन दिनों से तनाव में थे और हो सकता है कि तनाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाया हो। सचिन पुलिस ने इस संबंध में आत्महत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

बारिश का पानी इकट्ठा करने की कोशिश में मजदूर की मौत

सूरत के वेसु इलाके में एक निर्माण स्थल पर बारिश का पानी इकट्ठा करने की कोशिश में एक मजदूर की मौत हो गई। २५ वर्षीय रोहित हटिला की बारिश के पानी से भरे गड्ढे में गिरने से डूबने से मौत हो गई. अन्य मजदूर निर्माण स्थल पर सफाई कर रहे थे। जब रोहित बारिश का पानी निकालने के लिए बाहर गया। जहां वह गिरे, उन्हें तुरंत नई सिविल में शिफ्ट कर दिया गया। उपचार मिलने से पहले ही रोहित की मौत हो गई।

आशंका है कि खटोदरा थाना क्षेत्र के भटार इलाके में युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई है, जिससे परिवार में मातम छा गया है . ३२ वर्षीय संदीप पटेल भटार इलाके में अपने परिवार के साथ रहते थे। उन्होंने दर्जी का काम किया और गुजरात में परिवार चलाया। आज सुबह काम के लिए घर से निकलने के बाद सीने में दर्द शुरू हो गया. फिर उन्हें सूरत सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. संदीप पटेल की अचानक मौत से परिवार तबाह हो गया. संदीप घर में अकेले कमाने वाला था। संदीप की मौत से परिवार में मातम छा गया। इसके साथ ही सूरत सिविल अस्पताल में परिजनों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया. फिलहाल आशंका जताई जा रही है कि संदीप की मौत हार्ट अटैक से हुई है।